RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:245 ता. 26 मार्च 2023, रविवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

जमीन के 7 सौदे, लालू-राबड़ी परिवार के 7 लोग ईडी के लपेटे में, सीबीआई पूछताछ में अब तेजस्वी की बारी

पटना। लैंड फॉर जॉब घोटाले में राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) अध्यक्ष लालू यादव के छोटे बेटे और बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के दफ्तर में पूछताछ के लिए पेशी है। रेलवे में नौकरी के बदले औने-पौने दाम पर जमीन लिखवाने या तोहफा में लेने को लेकर लालू-राबड़ी पर दर्ज मामले में यह पूछताछ होनी है। तेजस्वी यादव की पेशकश पर कोर्ट में पूछताछ के लिए 25 मार्च की तारीख मुकर्रर हुई थी क्योंकि विधानसभा सत्र की वजह से उन्होंने इससे पहले पेशी पर आने में मुश्किल गिनाई थी। सीबीआई इस मामले में पिछले साल एक चार्जशीट दाखिल कर चुकी है और अब आगे की जांच चल रही है। लालू यादव के परिवार पर उनके रेलमंत्री रहने के दौरान रेलवे में नौकरी के बदले जमीन लिखवाने के 7 आरोप हैं। संयोग ऐसा कि इस केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और सीबीआई के रडार पर लालू-राबड़ी समेत परिवार के सात लोग हैं। लालू यादव, राबड़ी देवी, मीसा भारती, रागिनी यादव, चंदा यादव, हेमा यादव और तेजस्वी यादव। इस मामले में मार्च के दूसरे सप्ताह में राबड़ी देवी और लालू यादव से सीबीआई की पूछताछ के बाद 10 मार्च को ईडी ने देश भर में 24 ठिकानों पर छापा मारा था। ये ठिकाने लालू-राबड़ी के बच्चों तेजस्वी यादव, रागिनी यादव, चंदा यादव और हेमा यादव के अलावा आरजेडी के नेता अबु दुजाना से जुड़े थे। ईडी के सूत्रों ने छापों के बाद दावा किया था कि उसे 70 लाख कैश और 2 किलोग्राम से कुछ ज्यादा सोना मिला है। आगे देखते हैं जमीन लिखवाने के वो 7 मामले जिसकी वजह से लालू-राबड़ी परिवार के कुल 7 लोग सीबीआई और ईडी की जांच और रेड के लपेटे में हैं।

राहुल गांधी की मेंबरशिप जाने को भी नहीं भुना पाएगी कांग्रेस? भाजपा ने बनाया है ऐसा प्लान

नई दिल्ली। राहुल गांधी की सांसदी जाने के बाद कांग्रेस के लिए राह अभी और कठिन होने वाली है। जिस मुद्दे पर राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता गई, कांग्रेस आने वाले दिनों में उसे जनता के सामने मुद्दा तक नहीं बना पाएगी! कारण है-भाजपा की नई प्लानिंग। भाजपा इस पूरे मसले को ओबीसी के अपमान से जोड़कर चल रही है। ऐसी स्थिति में कांग्रेस विक्टिम कार्ड भी नहीं खेल सकेगी। भाजपा की इस प्लानिंग पर काम शुक्रवार को तब शुरू हुआ, जब राहुल के अयोग्य ठहराए जाने के तुरंत बाद केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और प्रह्लाद जोशी ने बीजेपी के ओबीसी सांसदों के साथ बैठक की। राहुल गांधी की लोकसभा मेंबरशिप जाने को भाजपा ओबीसी के अपमान से जोड़ना चाहती है। ऐसी स्थिति में कांग्रेस के पास विक्टिम कार्ड खेलने तक का मौका नहीं होगा। बीजेपी ने राहुल गांधी की सजा को ओबीसी अपमान के नतीजे के रूप

में चित्रित करने की योजना बनाई है।

बीजेपी सांसदों की बैठक

राहुल गांधी के अयोग्य ठहराए जाने के तुरंत बाद केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और प्रह्लाद जोशी ने संसद में बीजेपी के ओबीसी सांसदों की बैठक की। बैठक में फैसला किया गया कि सभी ओबीसी सांसद यह आरोप लगाएंगे कि राहुल गांधी ने ओबीसी को अपमानित किया था। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस पर ओबीसी विरोधी होने का आरोप लगाते हुए कई ट्वीट किए।

2024 में मिलेगी सजा- नड्डा

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने अपने ट्वीट में आरोप लगाया, राहुल गांधी पूरे ओबीसी समुदाय को चोर कहते हैं। उन्हें अदालत में आलोचना का सामना करना पड़ता है, लेकिन माफी मांगने से इनकार करते हैं, जिससे पता चलता है कि ओबीसी के लिए उनकी नफरत कितनी गहरी है। भारत के लोगों ने उन्हें 2019 में माफ नहीं किया। 2024 में सजा मिलेगी।

भाजपा की इस प्लानिंग पर काम शुक्रवार को तब शुरू हुआ, जब राहुल के अयोग्य ठहराए जाने के तुरंत बाद केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और प्रह्लाद जोशी ने बीजेपी के ओबीसी सांसदों के साथ बैठक की। राहुल गांधी की लोकसभा मेंबरशिप जाने को भाजपा ओबीसी के अपमान से जोड़ना चाहती है। ऐसी स्थिति में कांग्रेस के पास विक्टिम कार्ड खेलने तक का मौका नहीं होगा।

मैंने तो दो साल पहले ही नीतीश से कह दिया था; केसी त्यागी खुलकर बोले क्यों नहीं बनाया गया जेडीयू महासचिव

वहीं, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने दावा किया, सुबह से ही मुझे ओबीसी समुदाय से फोन आ रहे हैं। सवाल यह है कि क्या एक राष्ट्रीय पार्टी का नेता एक उपनाम के कारण पिछड़े समुदाय को अपमानित कर सकता है।

यूपी और बिहार में विपक्ष के प्रयास होंगे बेअसर!

आगामी चुनावों के मद्देनजर पार्टी की योजना राहुल गांधी की टिप्पणी के इर्द-गिर्द प्रचार करने और ओबीसी के बीच एक समर्थक आधार बनाने की है। यह योजना बिहार और उत्तर प्रदेश में सामाजिक न्याय पार्टियों के प्रयास को बेअसर करने के लिए भी हो सकती है, जो ओबीसी को दिए जाने वाले आरक्षण के प्रतिशत का मूल्यांकन करने के लिए जातिगत जनगणना की मांग कर रहे हैं।

दिल्ली-पौड़ी के बीच घटेगी दूरी

हाईवे बनाने के लिए सवा 2 हजार करोड़ के बजट को मंजूरी

नई दिल्ली। दिल्ली से पौड़ी गढ़वाल तक का सफर भी जल्द आसान होने जा रहा है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने 126 किलोमीटर लंबे दिल्ली-मेरठ-पौड़ी हाईवे की राह आसान बनाने के लिए करीब सवा दो हजार करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है। यह हाईवे बनने से बिजनौर व उत्तराखंड का पौड़ी गढ़वाल जिला सीधे दिल्ली से जुड़ जाएगा। मेरठ से पौड़ी नेशनल हाईवे पर वर्ष 2020 में फोरलेन बनाने का काम शुरू किया गया था। इस पर तेजी से निर्माण काम चल रहा है। मेरठ से पौड़ी नेशनल हाइवे की दूरी करीब 126 किलोमीटर है। बिजनौर से बहसूमा तक सेंचुरी क्षेत्र होने के कारण करीब 40 किलोमीटर का हाईवे निर्माण रुका हुआ था। बिजनौर से बहसुमा तक हाईवे निर्माण के लिए गडकरी ने धन स्वीकृति की जानकारी दी है।

बिजनौर बैराज पर बनाया जाएगा एक और पुल

बिजनौर बैराज पर एक और पुल बनाया जाएगा, जोकि फोरलेन के प्रोजेक्ट में ही शामिल है। अब वन मंत्रालय की एनओसी मिलने के बाद इसका निर्माण भी जल्द ही शुरू हो जाएगा। मौजूदा बैराज और नए पुल के बीच में करीब पांच सौ मीटर का गैप रखा जाएगा।

एनओसी के इंतजार में रुका हुआ था कार्य

नेशनल हाईवे 119 को फोरलेन का काम यूं तो काफी तेजी से चल रहा है, लेकिन बहसूमा से बिजनौर तक करीब 40 किलोमीटर के इस टुकड़े पर वन विभाग द्वारा एनओसी ने दिए जाने के कारण काम रुका हुआ था। इसी एनओसी के फेर में बिजनौर बैराज के पास गंगा नदी पर एक नए पुल का निर्माण भी अटका हुआ था, अब रास्ता भी साफ हो गया है।

कर्नाटक चुनाव के लिए कांग्रेस ने जारी की 124 उम्मीदवारों की लिस्ट

खड़गे के बेटे को भी टिकट

बेंगलुरु। राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता खत्म होने के बाद कांग्रेस बीजेपी पर पलटवार करने को तैयार है। कांग्रेस की नजरें अब कर्नाटक विधानसभा चुनाव जीतने पर है। इस कड़ी में शनिवार सुबह कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने 124 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की है। इस सूची में मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे प्रियांक को भी टिकट मिला है। वो चितापुर से चुनावी मैदान में उतरेंगे। राहुल गांधी की सदस्यता खत्म होने के अगले दिन कांग्रेस

पार्टी ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। 224 विधानसभा सीटों वाले दक्षिण भारतीय राज्य में कांग्रेस ने पहली लिस्ट में 124 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया है।

सिद्दारमैया और शिवकुमार को कहां से टिकट

उम्मीदवारों में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे प्रियांक का भी है। पार्टी ने उन्हें चितापुर से चुनाव में उतारने का ऐलान किया है।

वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को वरुणा से उतारा गया है। जबकि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार को कनकपुरा सीट से टिकट मिला है। इसके अलावा अन्य बड़े चेहरों में एमबी पाटिल बबलेश्वर से, दिनेश गुंजुराव गांधीनगर से शामिल हैं। जबकि, बीजेपी छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए एमएलसी पुतुन्ना को कांग्रेस ने राजाजीनगर से मैदान में उतारा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री केएच मुनियप्पा को देवनहल्ली से टिकट दिया गया है।

गुजरात की 17 जेलों में पुलिस की रेड

गैंगस्टरों की अवैध गतिविधियों की जानकारी जुटाई जा रही, 1700 पुलिसकर्मी तलाशी ले रहे

गांधीनगर। गुजरात पुलिस शुक्रवार देर रात से राज्य की जेलों में छापेमारी कर रही है। जेलों के CCTV फुटेज चेक किए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, अहमदाबाद की साबरमती सेंट्रल जेल, वडोदरा सेंट्रल जेल, सूरत की लाजपोर जेल और राजकोट जेल समेत राज्य की कुल 17 जेलों में पुलिस की छापेमारी चल रही है। 1700 पुलिसकर्मी तलाशी ले रहे हैं। गांधीनगर में गृह राज्य मंत्री की अध्यक्षता में राज्य के DGP समेत उच्चाधिकारियों की बैठक के बाद यह छापेमारी शुरू हुई थी। इस कार्रवाई का मकसद जेलों में बंद गैंगस्टरों की संदिग्ध गतिविधियों के बारे में पता लगाना है। हाल ही में साबरमती की जेल में बंद गैंगस्टर अतीक अहमद ने जेल में रहते हुए उमेश पाल की हत्या करवाई थी। माना जा रहा है कि यह पूरी कार्रवाई IB के इनपुट मिलने के बाद की गई। इसमें बताया गया कि अतीक अहमद ने जेल से एक व्हाट्सएप कॉल के जरिए उमेश की हत्या कराई थी। राज्य के गृहमंत्री हर्ष सांघवी स्टेट कंट्रोल रूम में मौजूद हैं। वहीं, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी कार्रवाई के बारे में जानकारी ले रहे हैं। सभी जेलों और शहर के सीनियर पुलिस अधिकारियों के साथ 1700 पुलिसकर्मी इस अभियान में जुटे हैं। जेलों में सभी प्रतिबंधित चीजों को जब्त किया जा रहा है। प्रदेश में पहली बार जेल विभाग के साथ मिलकर पुलिस इस तरह की कार्रवाई कर रही है। DGP विकास सहाय के साथ गृह राज्य मंत्री, जेल विभाग के प्रमुख के. एल एन राव और IB प्रमुख अनुपम सिंह गहलोत तलाशी अभियान की निगरानी कर रहे हैं। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच SOG समेत पुलिस का काफिला अहमदाबाद की साबरमती सेंट्रल जेल में मौजूद है।

साल 2014 के बाद से देश में मेडिकल कॉलेज की संख्या हुई दोगुनी, केंद्र सरकार ने जारी किया आंकड़ा

नई दिल्ली। भारत में मेडिकल कॉलेजों की संख्या वर्ष 2014 के बाद से लगभग दोगुनी हो गई है। बता दें कि इससे देश में मेडिकल एजुकेशन को बढ़ावा मिला है। केंद्र सरकार द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, मोदी सरकार के आठ वर्षों के कार्यकाल में मेडिकल कॉलेजों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है।

वर्ष 2014 से 2023 के बीच मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़ी

बता दें कि वर्ष 2014 से 2023 के बीच देश के मेडिकल कॉलेजों की संख्या में भी बड़ा इजाफा हुआ है। 2014 में देश में जहां 387 मेडिकल कॉलेज थे, वहीं अब ये बढ़कर 2023 में 660 हो गए है। वहीं, वर्ष 2014 में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की संख्या देश में कुल सात थी, जो आज बढ़कर 22 हो गई है।

आठ सालों में पोस्ट-ग्रेजुएट सीटों की संख्या में वृद्धि

पिछले आठ सालों में मेडिकल एजुकेशन में पोस्ट-ग्रेजुएट सीटों की संख्या में वृद्धि हुई है। देश में आज कुल

65,335 पीजी मेडिकल सीटें हैं जो 2014 की तुलना में दोगुने से भी ज्यादा हैं। 2014 में भारत में 31,185 पीजी मेडिकल सीटें थीं। इसी तरह एमबीबीएस सीटों की संख्या 2014 के 51,348 से बढ़ाकर आज 1,01,043 कर दी गई।

गोरखपुर एम्स में विदेश से बुलाए जाएंगे शिक्षक

इस वर्ष जुलाई से पोस्ट-ग्रेजुएट की पढ़ाई शुरू हो जाएगी, जिसको देखते हुए छात्रों को पढ़ाने के लिए विदेश से शिक्षकों को बुलाया जाएगा। इसकी जानकारी गोरखपुर एम्स के अध्यक्ष देश दीपक वर्मा ने दिया है। बता दें कि विदेश के अनेक देशों में शिक्षकों को छह साल के बाद एक साल का अवकाश दिया जाता है। जिसको देखते हुए इन सभी शिक्षकों से अनुरोध किया जाएगा कि उस अवकाश का उपयोग यहां एम्स में छात्रों का भविष्य संवारने में करें।

दीपक वर्मा ने कहा कि पीजी की 16 सीटों की अनुमति मिली हैं, इसे और बढ़ाने की कोशिश की जा रही है। अगर इतनी सीट भी रही तो हर साल एम्स को 16 रेजिडेंट डाक्टर मिलेंगे, इससे उपचार व्यवस्था मजबूत होगी।

मरीजों को बड़ी सौगात, दिल्ली के इन 3 अस्पतालों में अब मुफ्त होगा बोन मैरो ट्रांसप्लांट

नई दिल्ली। दिल्ली में ब्लड कैंसर समेत अन्य बीमारियों से ग्रस्त मरीजों के लिए केंद्र सरकार के तीन अस्पतालों में बोन मैरो ट्रांसप्लांट (अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण) की मुफ्त सुविधा शुरू होगी। निजी अस्पतालों में इसका खर्च करीब 15 से 20 लाख रुपये आता है। सरकारी अस्पतालों में आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री कोष की मदद से गरीब मरीजों के लिए यह सुविधा जल्द मिलने लगेगी। सबसे पहले लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, उसके बाद सफदरजंग व राम मनोहर लोहिया अस्पताल में इसे शुरू किया जाएगा। हाल ही में इन तीन सरकारी अस्पतालों और इस क्षेत्र में काम करने वाले निजी अस्पतालों के विशेषज्ञों के साथ केंद्रीय स्वास्थ्य महानिदेशक ने बैठक कर इसे शुरू करने का फैसला लिया है। इसके लिए डॉक्टरों और नर्स कर्मियों को ट्रेनिंग देने और ट्रांसप्लांट के लिए बेड्स की सुविधा उपलब्ध कराने की तैयारी चल रही है।

लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, उम्मीद है कि डेढ़ से दो महीने के भीतर मुफ्त बोन मैरो ट्रांसप्लांट शुरू हो जाएगा। बैठक में मौजूद गुरुग्राम के वरिष्ठ डॉक्टर राहुल भार्गव ने बताया कि स्वास्थ्य महानिदेशक ने इसे शुरू करने

के लिए सकारात्मक आश्वासन दिया है। डॉ. भार्गव ने कहा कि वे निजी अस्पताल और सरकारी अस्पताल के बीच गठजोड़ कर इस सुविधा को ईएसआई फरीदाबाद में शुरू कर चुके हैं। अभी तक ईएसआई फरीदाबाद में 25 बोन मैरो ट्रांसप्लांट किए जा चुके हैं। जल्द ही यह सुविधा गरीब मरीजों के लिए केंद्र के अन्य तीन अस्पतालों में भी शुरू हो जाएगी।

बोन मैरो ट्रांसप्लांट के लिए सबसे पहले भाई-बहन को डोनर के रूप में वरीयता दी जाती है। अगर इनके साथ मिलान नहीं हो पाता है तो किसी को भी डोनर के रूप में लिया जा सकता है। बोन मैरो रक्तदान की तरह होता है।

क्यों होती है जरूरत

बोन मैरो ट्रांसप्लांट की जरूरत तब पड़ती है, जब बोन मैरो ठीक से काम करना बंद कर देता है या पर्याप्त मात्रा में स्वस्थ रक्त कोशिकाओं का उत्पादन नहीं कर पाता है। इस ट्रांसप्लांट में यह जरूरी है कि रोगी का बोन मैरो डोनर के बोन मैरो से मेल खाता हो।

देश के इन सरकारी अस्पतालों में यह सुविधा

एम्स, दिल्ली

एसजीपीजीआई, लखनऊ

पीजीआई, चंडीगढ़

चिटफंड कंपनी के एमडी को 250 साल की सजा

सीहोर । चिटफंड कंपनी साईं प्रसाद के चेयरमैन एवं एमडी बालासाहेब भापकर को विशेष न्यायालय ने 250 साल की सजा सुनाई है। विशेष जज संजय कुमार शाही ने कंपनी के कर्मचारियों को भी 10-10 साल की सजा सुनाई है। विशेष अदालत ने आरोपियों पर 6.50 लाख रुपए का जुर्मानालगाया है। देश के विभिन्न शहरों में स्थित कंपनी की संपत्तियों, बैंक खातों को कुर्क कर, निवेशकों को पैसे वापस लौटाने के आदेश दिए हैं। साईं प्रसाद कंपनी ने निवेशकों को 5 साल में पैसा दोगुना करने का लालच देकर निवेशकों के साथ धोखाधड़ी की है। न्यायालय ने धोखाधड़ी के इस मामले में अलग-अलग धाराओं में 10-10 और 5 साल की सजा सुनाई है। 10 निवेशकों ने न्यायालय में मामला दायर किया था। प्रत्येक निवेशक के हिसाब से 25 साल की सजा एक मामले में भुगतना होगी। 10 मामलों में यह सजा 250 साल की हो जाएगी। 10 निवेशकों ने न्यायालय में मामला दायर किया था। कंपनी अपना कार्यालय बंद करके भाग गई थी। निवेशकों ने उनसे संपर्क करने की हर कोशिश की। लेकिन जब राशि वापस नहीं हुई,ऐसी स्थिति में निवेशकों ने कोतवाली पुलिस सीहोर में मामला दर्ज कराया था। जिला अभियोजन अधिकारी प्रमोद अहिरवार ने जानकारी देते हुए कहा, 17 नवंबर 2009 से 13 मार्च 2016 तक दीप सिंह वर्मा, राजेश परमार, लखन लाल वर्मा, जितेंद्र कुमार वर्मा और बाला साहब भापकर ने निवेशकों का निवेश साईं प्रसाद प्रॉपर्टी कंपनी में कराया था। समय बीतने के बाद कंपनी ने पैसा वापस नहीं किया और भाग गई थी।

कोलकाता में ही 2022 में मिले 13 हजार 316 टीबी के मरीज

कोलकाता । कोलकाता में 2022 में ट्यूबरक्लोसिस (टीबी) के कुल 13 हजार 316 मामलों की सूचना दी, जो पश्चिम बंगाल राज्य विभाग के साथ-साथ शहर के नगर निगम के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है। कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के आंकड़ों के अनुसार 1 जनवरी से 31 दिसंबर 2022 के बीच विभिन्न वाडरें से मामले सामने आए। इस बीच इस अवधि के दौरान राज्य की राजधानी में टीबी से संबंधित 272 मौतें भी दर्ज की गईं। विकास के मद्देनजर केएमसी अधिकारियों ने शहर की सीमा में इस बीमारी के प्रसार को रोकने के लिए अपनाए जाने वाले उपायों के साथ बड़े पैमाने पर अभियान शुरू किया है। केएमसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मीडिया को बताया कि इनमें से ज्यादातर मामले शहर की झुग्गी-झोपड़ियों में भीड़भाड़ वाले इलाकों से सामने आए हैं। केएमसी अधिकारी ने कहा कि चिंता का कारण यह है कि 2022 कैलेंडर वर्ष में इस बीमारी का प्रसार दक्षिण, मध्य और उत्तर कोलकाता में भी रहा है। गार्डन रीच, गरिया, बेहाला, बेलगछिया, तोपसिया, तंगरा और बेलियाघाटा ऐसे पॉकेट हैं, जहां से ट्यूबरक्लोसिस से संबंधित पीड़ितों के अधिकतम मामले सामने आए हैं। कोलकाता के डिप्टी मेयर अतिन घोष के मुताबिक शहर में टीबी से प्रभावित लोगों की समय पर जानकारी लेने के लिए एहतियाती कवायद भी शुरू हो गई है। उन्होंने कहा कि पूरे शहर को दस जोन में बांटा गया है और ट्यूबरक्लोसिस के प्रसार के लिए अतिसंवेदनशील पॉकेट की पहचान की गई है। सूचना एकत्र करने और जागरुकता के उद्देश्य से प्रत्येक जोन के लिए निगम के 15 स्वास्थ्य कर्मचारियों की एक टीम को इन 10 क्षेत्रों में प्रतिनियुक्त किया गया है।

देश के 9.59 करोड़ परिवार को बड़ी राहत सिलेंडर पर एक साल और मिलेगी सब्सिडी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को हार साल उज्ज्वला योजना के तहत हर साल 12 गैस सिलेंडर पर मिलने वाली सब्सिडी को एक साल के लिए और बढ़ा दिया है। देश के साढ़े 9 करोड़ से ज्यादा लोगों को हर महीने 200 रुपये का गैस सिलेंडर पर फायदा होगा। सरकार पर इसका 7680 करोड़ रुपये का बोझ बढ़ेगा। इससे पहले मौजूदा वित्तीय वर्ष में 6100 करोड़ रुपये खर्च किया था पीएमयूवाई कंज्यूमर की औसत एलपीजी खपत 2019-20 में 3 101 रिफिल से 20 फीसदी बढ़कर 2021-22 में 3 168 हो गई है। सरकार ने मई 2016 में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना शुरू की ताकि गरीब परिवारों की वयस्क महिलाओं को निःशुल्क एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध कराया जा सके। इस सब्सिडी को सीधे पात्र लाभार्थियों के बैंक अकाउंट में जमा की जाती है। सरकारी तेल विपणन कंपनियां यानी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड 22 मई 2022 से पहले ही यह सब्सिडी दे रही हैं। जियो पॉलिटिकल टेंशन की वजह से एलपीजी की इंटरनेशनल प्राइस में इजाफा देखने को मिला है। ऐसे में पीएमयूवाई लाभार्थियों का एलपीजी की ऊंची कीमतों से बचाव होगा। मौजूदा समय में घरेलू गैस सिलेंडर के दाम आसमान पर पहुंच गए हैं। मार्च के महीने में घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में 50 रुपये का इजाफा देखने को मिला था। यह दाम कई महीनों के के फीज रहने के बाद बढ़ाया गया था। आंकड़ों के अनुसार देश की राजधानी दिल्ली में घरेलू गैस सिलेंडर के दाम 1103 रुपये प्रति गैस सिलेंडर हो गए हैं।

गोपनीय जानकारी लीक करने के मामले में ईडी कार्यालय से दो लोग गिरफ्तार

मुंबई । गोपनीय जानकारी साझा करने के मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने (ईडी) अपने मुंबई कार्यालय के कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है। उन पर गोपनीय दस्तावेज लीक करने का आरोप है। ईडी को इस बात का सबूत मिला है कि ये दोनों कर्मचारी पुणे के बिजनेसमैन और सेवा विकास को-ऑपरेटिव बैंक के पूर्व डायरेक्टर अमर मूलचंदानी के संपर्क में थे और उसके जरिए उन्हें कुछ बेहद अहम जानकारियां शेयर कर रहे थे. इस मामले में ईडी के दोनों कर्मचारियों के अलावा अमर मूलचंदानी के ड्राइवर को भी गिरफ्तार किया गया है. बता दें कि इस साल जनवरी महीने में ईडी ने पुणे से सटे पिंपरी चिंचवड़ इलाके में सेवा विकास को-ऑपरेटिव बैंक के पूर्व डायरेक्टर अमर मूलचंदानी समेत कुछ बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के खिलाफ कार्रवाई की थी. उनके ठिकानों पर छापेमारियां की गई थीं. फर्जी कागजात के आधार पर अपने चहेतों को अनाप-शनाप तरीके से बैंक की ओर से कर्ज बांटा गया था और बदले में अमर मूलचंदानी और उनसे मिले हुए डायरेक्टरों ने अपनी जेबें भरी थीं. इस तरह कुल 400 करोड़ से ज्यादा का घोटाला किया गया था. इस मामले में मूलचंदानी समेत पांच लोगों को ईडी द्वारा भी किया गया था. कुछ समय पहले मूलचंदानी जमानत पर बाहर आ गए. एक बार फिर ईडी की ओर से उनपर कार्रवाई किए जाने की संभावना जताई जा रही थी. ऐसे में ईडी को यह जानकारी मिली थी कि उन्होंने सबूत गायब करने के लिए ईडी के मुंबई ऑफिस के इन दो कर्मचारियों को लालच देकर उनसे कुछ फाइलें लीक करवा रहे थे और अपने खिलाफ चल रही जांच से जुड़े अपडेट्स हासिल कर रहे थे. इस बात की भनक ईडी अधिकारियों को लग गई कि ये दोनों कर्मचारी अमर मूलचंदानी के ड्राइवर के संपर्क में हैं. इसके बाद उन दोनों पर नजरें रखी जाने लगीं. जब इस बात के पक्के सबूत मिल गए कि इन दोनों ने कुछ दस्तावेज मूलचंदानी को बेच डाले हैं तो ईडी ने इनके खिलाफ कार्रवाई की और इन दोनों को गिरफ्तार कर लिया. इन दोनों के अलावा मूलचंदानी के ड्राइवर को भी गिरफ्तार किया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है.

नोएडा में डेढ़ साल की बच्ची को घसीट ले गया कुत्ता, दादा ने बचाई जान

नई दिल्ली । ग्रेटर नोएडा के बीटा एक में डेढ़ साल की एक बच्ची पर आवारा कुत्ते ने हमला कर दिया। कुत्ते ने बच्ची पर न केवल हमला किया, उसे दबोचकर 50 मीटर तक घसीटता हुआ लेकर भी भागा। सारी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। जिला गौतमबुद्ध नगर में ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी और नोएडा अथॉरिटी की लाख कोशिशों के बाद भी कुत्तों का आतंक खत्म नहीं हो रहा है। दूसरी तरफ अस्पतालों में जरूरी सुविधाएं न मिलने के सिलसिले में जिम्मेदार अफसर बात तक करने को तैयार नहीं हैं। बताया जा रहा है कि डेढ़ साल की बच्ची घर के आंगन में खेल रही थी। खेलते खेलते वह दरवाजे तक आ गई, तभी कुत्ते ने उस पर हमला कर दिया। बच्ची की मां का कहना है कि अचानक कुत्ता दौड़ता हुआ आया और बच्ची निर्वाणी के हाथ को मुंह से पकड़कर दौड़ने लगा। उसके बाद मेरे ससुर ने बच्चे की रोने की आवाज़ सुनी, वो भी कुत्ते के पीछे दौड़े। बच्ची के दादा के अनुसार कुत्ते के पीछे जब मैं दौड़ा तो वो बच्ची को छोड़कर भाग खड़ा हुआ। उन्होंने बताया कि बीटा-1 क्षेत्र में कुत्तों का आतंक बहुत है। इसी कुत्ते ने कई बार हमला किया है। कई बार शिकायत के बाद भी कोई सुनने वाला नहीं है। जब कुत्ते ने पोती को काटा तो उसे लेकर हम नजदीक शारदा हॉस्पिटल लेकर गए, जहां कुत्ते काटने के बाद लगने वाला इंजेक्शन नहीं था। उसके बाद हम काशीराम हॉस्पिटल लेकर गए वहां भी दवाई उपलब्ध नहीं थी। अब बताइए हम लोग कहां जाएं? वहीं चीफ मेडिकल ऑफिसर सुनील शर्मा ने फ़ोन नहीं उठाया.

खालिस्तान मामले में ब्रिटेन के दोहरे रुख को कतई बर्दाश्त नहीं करेगा भारत : जयशंकर

-भारतीय उच्चायोग में तिरंगे के अपमान का मामला

बेंगलुरु (एजेंसी)। लंदन में भारतीय उच्चायोग में जिस तरह से तिरंगे का अपनाम हुआ है, उस लेकर पूरे देश में नाराजगी हैं। इतना ही नहीं विश्व में जहां भी भारतीय है, वह घटना के खिलाफ अपनी विरोध दर्ज करवा रहे हैं। दिल्ली ब्रिटेन उच्चायोग से सुरक्षा हटाने के बाद अब केंद्रीय विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने भी ब्रिटेन के डबल गेम पर अपनी कड़ी प्रतिक्रिया दी हैं। केंद्रीय विदेश मंत्री डॉ.जयशंकर ने खालिस्तान समर्थक प्रदर्शनकारियों के एक समूह द्वारा लंदन में भारतीय उच्चायोग में तोड़फोड़ करने और परिसर में तिरंगे को गिराने के कुछ दिनों बाद यूके सरकार पर सुरक्षा दायित्वों को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाया है। जयशंकर ने कहा, हमने इस पर ब्रिटिश सरकार से बातचीत की है। यह प्राप्त करने वाले देश का दायित्व है कि वह एक राजनयिक को अपना काम करने के लिए सुरक्षा प्रदान करे, यह सुनिश्चित करने के लिए कि दूतावास या उच्चायोग के परिसर का सम्मान किया जाए। इन दायित्वों को पूरा नहीं किया गया।

ब्रिटेन में भारतीय उच्चायोग में भारतीय तिरंगा हटाने के प्रयास की घटना पर कड़ा रुख दिखाकर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत सुरक्षा के अलग-अलग मानकों को स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने ब्रिटेन पर उच्चायोग के राजनयिकों को सुरक्षा प्रदान करने के दायित्व को पूरा नहीं करने का भी आरोप लगाया, जिसकी अपेक्षा उस देश से की जाती है जहां उच्चायोग या वाणिज्य दूतावास स्थित होता है। बेंगलुरु दक्षिण के सांसद तेजस्वी सूर्या द्वारा आयोजित कार्यक्रम में जयशंकर ने कहा, ''ध्वज और उच्चायोग की सुरक्षा पर, इस मामले में ब्रिटेन में....देश का दायित्व है कि वह एक राजनयिक को अपना काम करने के लिए सुरक्षा प्रदान करे।''

उन्होंने कहा, दूतावास या उच्चायोग या वाणिज्य दूतावास और उनके परिसर की सुरक्षा सुनिश्चित करना उस देश का दायित्व है, जहां वह स्थित हैं। इन दायित्वों को पूरा नहीं किया गया।''

भारत में मानवाधिकारों के संबंध में ब्रिटेन में पूर्व सांसद राहुल गांधी की टिप्पणी के संदर्भ में, जयशंकर ने कहा कि भारतीय पासपोर्ट रखने वालों में से अधिकांश देश से गहराई से जुड़े हुए हैं, लेकिन कुछ लोग हैं, जो वीजा या कहीं और बसने के लिए अपने घर में सताए जाने का दावा कर सकते हैं। मंत्री ने कहा, अब आपके यहां कुछ लोग हो सकते हैं, (जो) कभी-कभी इसका दुरुपयोग करते हैं और कहते हैं कि मुझे राजनीतिक रूप से सताया जा रहा है और इसलिए, मुझे रहने की अनुमति दें, तब यह वास्तव में वीजा का खेल है, जिसे वे राजनीति, मानवाधिकार के नाम पर खेल रहे हैं। उन्होंने आगाह किया कि देश के विरोधी स्थिति का फायदा उठा सकते हैं।

लालू परिवार पर शिकंजा पूछताछ के लिए ईडी र्यालय पहुंची मीसा भारती

नई दिल्ली । नौकरी के बदले जमीन घोटाले में लालू यादव के परिवार की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही। इस मामले में एक तरफ सीबीआई राजद सुप्रीमो लालू यादव के बेटे और बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से आज पूछताछ करने जा रही है वहीं दूसरी ओर लालू यादव की बेटी मीसा भारती को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने समन जारी कर तलब किया है। इस पूछताछ के लिए अभी अभी मीसा भारती ईडी कार्यालय पहुंची हैं। उन्हें भी आज शनिवार को ही ईडी कार्यालय में हाजिर हो कर सवालों के जवाब देने हैं। इस मामले की जांच सीबीआई कर रही है लेकिन इस घोटाले में धन शोधन की जांच ईडी कर रही है। इससे पहले पिछले साल जुलाई और दिसंबर महीने में भी ईडी ने मीसा भारती और उनके पति शैलेश को पूछताछ के लिए बुलाया था ईडी के एक अधिकारी के मुताबिक मीसा भारती पर इसी घोटाले से अर्जित राशि से दिल्ली के बिजवासन में प्रापर्टी खरीदी थी। ईडी के मुताबिक मीसा भारती ने यह फार्म हाउस फर्जी कंपनियों मिशेल पैकर्स एंड प्रिंटर्स के जरिए इकट्ठा की गई धनराशि से खरीदे थे। संबंधित इनपुट के आधार पर ईडी ने पिछले ही साल सितंबर महीने में इन संपत्तियों को जब्त भी कर लिया था। बता दें कि इस मामले की जांच इनकम टैक्स विभाग भी कर रहा है। इसमें इनकम टैक्स विभाग देख रहा है कि लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार ने किस प्रकार इन फर्जी कंपनियों के जरिए धन इकट्ठा किया और दिल्ली व पटना में बेशकीमती संपत्तियां खरीदीं।

राहुल पर बेतुके आरोप लगाकर भाजपा के दो नेता लोगों की बुद्धिमत्ता का कर रहे अपमान: कपिल सिब्बल

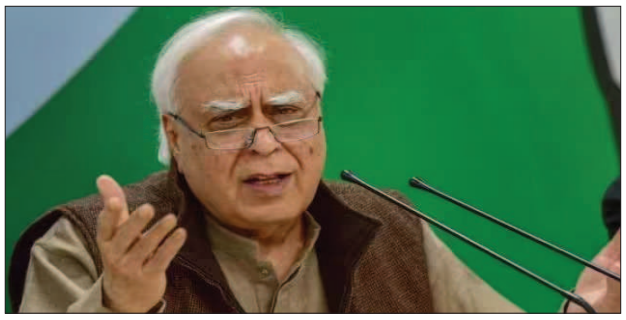

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर 'मोदी उपमान संबंधी उनकी टिप्पणी को लेकर अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का अपमान करने का आरोप लगाने के लिए भारतीय जनता पार्टी के दो नेताओं पर शनिवार को निशाना साधा और कहा कि ये नेता इस तरह के बेतुके आरोप लगाकर लोगों की बुद्धिमत्ता का अपमान कर रहे हैं।

सूरत की एक अदालत द्वारा मानहानि के एक मामले में सजा सुनाए जाने के मद्देनजर केरल की वायनाड संसदीय सीट से सांसद राहुल गांधी को शुक्रवार को लोकसभा की सदस्यता के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया। लोकसभा सचिवालय की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया कि गांधी की अयोग्यता संबंधी आदेश 23 मार्च से प्रभावी होगा। सूरत की एक अदालत ने 'मोदी उपनाम संबंधी टिप्पणी को लेकर गांधी के खिलाफ 2019 में दर्ज आपराधिक मानहानि के एक मामले में उन्हें बृहस्पतिवार को दो साल कारावास की सजा सुनाई थी।

बहरहाल, अदालत ने राहुल को जमानत भी दे दी और उनकी सजा के अमल पर 30 दिनों तक के लिए रोक भी लगा दी थी, ताकि वह फैसले को चुनौती दे सकें। केंद्रीय मंत्रियों धर्मेंद्र प्रधान और अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को एक संवाददाता सम्मेलन में गांधी पर ओबीसी का अपमान करने का आरोप लगाया था। सिब्बल ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए ट्वीट किया कि बेतुके आरोप लगाकर आप हमारी बुद्धिमत्ता का अपमान कर रहे हैं। संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन के पहले और दूसरे कार्यकाल में केंद्रीय मंत्री रहे सिब्बल ने पिछले साल मई में कांग्रेस छोड़ दी थी और समाजवादी पार्टी के समर्थन से निर्दलीय सदस्य के रूप में राज्यसभा के सदस्य चुने गए थे।

लक्ष्मीकांत पाण्डेय, प्रयागराज। आज प्रयागराज हंण्डिया तहसील के ग्राम पंचायत किशुनीपुर बटऊपुर के ग्राम देवी के दरबार में अखण्ड श्री रामचरित मानस पाठ का आयोजन किया गया जिसमें सभी ग्राम वासियों का सहयोग देखने को मिला यह आयोजन ग्राम सभा के उन्नति खुशहाली के लिए नवरात्रि के सुभ अवसर पर किया गया जिसमें मुख्य आयोजक लक्ष्मी कात पाण्डेय (कवि राहुल प्रयागवाले)पत्रकार ,ब्लाक प्रमुख हंण्डिया महेन्द्र सिंह मुन्ना, आम आदमी पार्टी के पूर्व प्रत्याशी एडवोकेट पवन कुमार तिवारी, कांग्रेस के नेता ओमप्रकाश तिवारी, हरिश्चन्द्रपाण्डेय , घनश्याम पाण्डेय, रामचंद्र पाण्डेय, प्रेमचंद पाण्डेय, अरूण शर्मा, अजय पाण्डेय, करण भारतीया,महेद्र पाण्डेय, मिलन दूबे,प्रमोद, सूर्यप्रकाश तिवारी रामायणी के साथ समस्त ग्राम सम्मानित ग्राम वासी उपस्थित रहे।

बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री पर उदयपुर में केस दर्ज, 5 युवक गिरफ्तार

- धार्मिक हिंसा भड़काने के मामले में पुलिस ने की कार्रवाई

उदयपुर (एजेंसी)। बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री पर उदयपुर पुलिस ने केस दर्ज किया है। एक दिन पहले नवसंवत्सर के उपलक्ष्य में हुई धर्मसभा में दिए बयान को लेकर यह केस दर्ज किया गया है। पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने सभा में लोगों से आह्वान करते हुए कहा था-राजसमंद जिले के कुंभलगढ़ किले में जो 100 हरे झंडे लगे हैं, वहां भगवा झंडा लगाओ। पुलिस ने इस बयान को धार्मिक हिंसा भड़काने वाला बयान माना है। शहर के हाथीपोल थाने में उनके खिलाफ केस दर्ज किया गया है। उदयपुर एसपी विकास शर्मा ने बताया कि बयान को भड़काऊ और विवादित मानते हुए एफआईआर दर्ज की गई है।

एक दिन पहले उदयपुर के गांधी ग्राउंड में गुरुवार को धर्मसभा का आयोजन किया गया था। इसमें पंडित धीरेंद्र शास्त्री के साथ मर्मज्ञ पंडित देवकीनंदन ठाकुर और बांसवाड़ा के संत उत्तम स्वामी सहित कई संत महात्मा मंच पर मौजूद थे। इसके अलावा धीरेंद्र शास्त्री ने उदयपुर में हुए कन्हैयालाल हत्याकांड को लेकर भी कहा था कि क्षमा कीजिए एक कन्हैयाल धोखे से चला गया। अब घर-घर कन्हैया बैठा है।

पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने अपने बयान में कुंभलगढ़ किले में भगवा झंडा लगवाने का तीन बार जिक्र किया। उन्होंने कहा था कि डरते तो हम किसी के बाप से नहीं हैं। डरते तो वो हैं जो बुजदिल हैं। हम तो वो हैं जो कुंभलगढ़ किले में ही भगवा झंड लगवाकर मानेंगे। युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि तुम चाहते हो कि वहां भगवा झंडा गड़े, क्या यह बात सही है, अगर सही है तो क्यों चुप बैठे हो।

कोविड-19 पैरोल पर रिहा हुए सभी कैदी 15 दिनों के भीतर करें सरेंडर: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि कोविड महामारी के दौरान उसके आदेश पर गठित राज्य उच्चाधिकार प्राप्त समितियों द्वारा आपातकालीन पैरोल पर रिहा किए गए सभी कैदियों को 15 दिनों के भीतर आत्मसमर्पण करना होगा। जस्टिस एमआर शाह और सीटी रविकुमार की पीठ ने कहा कि 23 मार्च 2020, 7 मई 2021 और 16 जुलाई 2021 के आदेशों के अनुपालन में उच्चाधिकार समिति की सिफारिश के अनुसार आपातकालीन पैरोल/अंतरिम जमानत पर रिहा किए गए सभी अंडर-ट्रायल/दोषियों को इस अदालत द्वारा स्वत-संज्ञान लेकर पारित रिट याचिका में 15 दिनों के भीतर संबंधित जेल अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण करना होगा।

खंडपीठ ने कहा कि वर्तमान आदेश जेल अधिकारियों द्वारा संबंधित अभियुक्तों/कैदियों को सूचित किया जाए कि उन्हें अब 15 दिनों की अवधि के भीतर आत्मसमर्पण करना होगा। हालांकि, उसके बाद संबंधित कैदियों द्वारा संबंधित जेल अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण करने के बाद संबंधित विचाराधीन कैदी अदालत के समक्ष जमानत के लिए प्रार्थना कर सकते हैं और उनके आवेदनों पर कानून के अनुसार और योग्यता के आधार पर विचार किया जाएगा। अपनी अपीलों में संबंधित न्यायालय के समक्ष सजा के निलंबन के लिए प्रार्थना करें जो कि लंबित हो सकती है, और जिस पर कानून और/या गुण-दोष के अनुसार विचार किया जा सकता है। पीठ ने कहा कि यह विवाद में नहीं है और इस पर विवाद नहीं किया जा सकता है कि उन सभी विचाराधीन कैदियों/दोषियों को जेलों में भीड़भाड़ को ध्यान में रखते हुए और भीड़भाड़ वाली जेलों में कैदियों के बीच कोविड-19 वायरस के प्रसार को रोकने के लिए अंतरिम जमानत/आपातकालीन पैरोल पर रिहा किया गया था।

कोर्ट ने संज्ञान में और सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों, गृह सचिवों, डीजी (कारागार) और समाज कल्याण सचिवों को नोटिस जारी किया। महामारी की पहली और दूसरी लहर के दौरान शीर्ष अदालत ने जेलों में भीड़भाड़ से बचने के लिए कैदियों को आपातकालीन पैरोल देने के लिए कई आदेश पारित किए थे, ताकि उनके बीच वायरल संक्रमण को फैलने से रोका जा सके।

यूके की टिप्पणी के लिए माफी मांग ली होती तो तो सांसदी छिनने की नौबत न आती.. रामदास आठवले ने ऐसा क्यों कहा

नयी दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने शनिवार को कहा कि अगर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने यूनाइटेड किंगडम में की गई टिप्पणी के लिए माफी मांगी होती, तो उन्हें लोकसभा से अयोग्य नहीं ठहराया जाता। राहुल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उपनाम के बारे में उनकी टिप्पणी के लिए मानहानि के मामले में गुजरात की एक अदालत द्वारा दो साल की जेल की सजा सुनाए जाने के एक दिन बाद अयोग्य घोषित कर दिया गया था। अखबार द टाइम्स ऑफ इंडिया से बात करते हुए आठवले ने कहा कि अगर राहुल गांधी ने यूके की टिप्पणी के लिए माफी मांग ली होती तो वो संसद सदस्यता नहीं गंवाते।

आठवले यूके में गांधी की टिप्पणियों के बारे में बात कर रहे थे जहां उन्होंने दावा किया था कि भारत अपने लोकतंत्र की बुनियादी संरचना पर हमले और देश के संस्थानों पर 'पूर्ण पैमाने पर हमले' का सामना कर रहा था। उन्होंने ब्रिटिश सांसदों को यह भी बताया था कि विपक्षी नेताओं के माइक्रोफोन संसद में म्यूट कर दिए जाते हैं और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को एक 'कट्टरपंथी' और 'फासीवादी' संगठन के रूप में वर्णित किया। अपनी अयोग्यता के एक दिन बाद गांधी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उद्योगपति गौतम अडानी के बीच संबंधों के बारे में सवाल पूछते रहेंगे।

सावधान! भारत में छाया फिर से कोरोना साया, रोजाना बढ़ने लगे हैं कोविड-19 केस, मरने वालों की संख्या में भी वृद्धि

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि भारत ने पिछले 24 घंटों में 1,590 कोविड मामलों की सूचना दी, जो 146 दिनों में सबसे अधिक है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि ओमिक्रोन का सबवेरिएंट XBB.1.16 देश में प्रमुख वायरस स्ट्रेन हो सकता है।शुक्रवार को 1,590 नए मामलों के साथ भारत के सक्रिय कोरोनावायरस मामलों की संख्या बढ़कर 8,601 हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि यह 146 दिनों में दर्ज किए गए सबसे अधिक मामले हैं।

भारत में पिछले कुछ दिनों से कोविड मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है, जिससे स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की चिंता बढ़ गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, पिछले 24 घंटों में छह और कोविड-19 मौतें हुईं, तीन महाराष्ट्र से और एक-एक कर्नाटक, राजस्थान और उत्तराखंड से हुई है। वायरल संक्रमण से उबरने वालों की संख्या 4,41,62,832 हो गई है, क्योंकि पिछले 24 घंटों में 910 लोग ठीक हुए हैं। ठीक होने की दर 98.79 प्रतिशत है। मामले की मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत दर्ज की गई। दैनिक सकारात्मकता दर और साप्ताहिक सकारात्मकता दर क्रमशः 1.33 प्रतिशत और 1.23 प्रतिशत है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, देश में अब तक कोविड टीकों की 220.65 करोड़ खुराकें दी जा चुकी हैं। पिछले 24 घंटों में कुल 1,19,560 कोविड परीक्षण किए गए और अब तक 92.08 करोड़ परीक्षण किए जा चुके हैं।

सभी राज्यों के लिए सलाह

दैनिक कोविड-19 मामलों में क्रमिक वृद्धि के बीच, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि ओमिक्रॉन का एक्सबीबी.1.16 सबवेरिएंट देश में प्रमुख वायरस तनाव हो सकता है, लेकिन अस्पताल में भर्ती होने या मृत्यु की दर में कोई वृद्धि दर्ज नहीं की गई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने भी सभी राज्यों को सलाह दी कि वे कोविड-19 से लड़ने के लिए टेस्ट-ट्रैक-ट्रीट-टीकाकरण और कोविड उपयुक्त व्यवहार की 5 गुना रणनीति पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखें। अधिसूचना में कहा गया है, 'हम कोविड -19 की तैयारियों को देखने के लिए एक और मॉक ड्रिल करेंगे। जल्द ही सभी राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों में मॉक ड्रिल की जाएगी।'

बयान में कहा गया कि अस्पताल में भर्ती होने का कोई सबूत नहीं मिला है। एहतियाती खुराक बढ़ाई जानी चाहिए। बढ़ी हुई प्रयोगशाला निगरानी और सभी गंभीर तीव्र श्वसन बीमारी के मामलों का परीक्षण करने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में मामलों में वृद्धि के बीच कोविड की स्थिति की समीक्षा के लिए बुधवार को एक उच्च स्तरीय बैठक की और सार्वजनिक स्वास्थ्य तैयारियों का भी जायजा लिया।

यूक्रेन में रूसी हमले में 10 नागरिकों की मौत, 20 से अधिक घायल

कीव । यूक्रेन के विभिन्न इलाकों में शुक्रवार को रूस के हमले में कम से कम 10 आम नागरिकों की मौत हो गई और 20 से अधिक लोग घायल हो गए। यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय ने यह जानकारी दी। वहीं रूस के एक अधिकारी ने चेतावनी दी कि रूसी सेना आगामी हफ्तों में यूक्रेन के संभावित जवाबी हमलों के लिए तैयार है। यूक्रेन के पूर्वी दोनेत्स्क प्रांत में कोस्तियंतिनिवका में एक सहायता केंद्र पर रूसी मिसाइल के हमले के बाद पांच लोगों की मौत हो गई। यूक्रेन के अधिकारियों ने पिछले साल कई ऐसे केंद्र बनाए थे जहां लोग आश्रय ले सकते हैं, अपने मोबाइल फोन चार्ज कर सकते हैं और भोजन प्राप्त कर सकते हैं। दोनेत्स्क के गवर्नर पावलो किरिलेंको के अनुसार स्थानीय अभियोजक ने कहा कि रूस ने कोस्तियंतिनिवका पर 300 एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल से हमला किया। जो नागरिक वहां मारे गए वे शरणार्थी थे। सुमी प्रांत के बिलोपिल्स्ई शहर में रात के समय रॉकेट हमले और गोलाबारी में दो लोग मारे गए और नौ लोग घायल हुए। दक्षिणी खेरसॉन क्षेत्र में रूसी गोलाबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और बिलोजेरका शहर में एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई तथा चार अन्य घायल हो गए।

सूअर का मांस खाने का दबाव, घरों का हो रहा निरीक्षण, चीन में रोजा रखने से रोकने के लिए किए जा रहे ऐसे सख्त प्रयास

दुनिया भर के मुसलमान रमजान के पवित्र महीने की शुरुआत के साथ ही रोजा रखने लगे हैं। चीन के मुसलमानों को रोजा रखने पर प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है और उनकी सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं पर लगातार हमले हो रहे हैं। स्थानीय अधिकारियों और समूहों का कहना है कि शिनजियांग के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में उइगरों को आदेश दिया जा रहा है कि वे अपने बच्चों को रोजा न रखने दें, अधिकारियों द्वारा बच्चों से पूछा गया कि उनके माता-पिता रोजा रख रहे हैं या नहीं। विश्व उईघुर कांग्रेस के प्रवक्ता दिलशात ऋषित ने कहा कि रमजान के दौरान अधिकारियों को 1,811 गांवों (शिनजियांग) में चौबीसों घंटे निगरानी प्रणाली को लागू करने की आवश्यकता होती है, जिसमें उइघुर परिवारों के घर का निरीक्षण भी शामिल है। अधिकार समूहों ने एक नई रिपोर्ट में चेतावनी दी है कि चीन के 11.4 मिलियन हुई मुस्लिम जातीय चीनी के घनिष्ठ समुदाय जिन्होंने सदियों से अपने मुस्लिम विश्वास को बनाए रखा है । उन्हें कम्युनिस्ट पार्टी के कठोर धार्मिक नियमों के तहत पूरी तरह से मिटा दिए जाने का खतरा है। चीनी मानवाधिकार रक्षकों के नेटवर्क सहित अधिकार समूहों के एक गठबंधन की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि बीजिंग द्वारा उन्हें 卐जबरन आत्मसात करने के माध्यम से हल किए जाने वाले खतरे卐 के रूप में पहचाना गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा धार्मिक पूजा पर नए सिरे से हमले शुरू करने से पहले प्राप्त सापेक्ष स्वतंत्रता के विपरीत है। जिससे ईसाइयों, मुस्लिमों और बौद्धों को समान रूप से अपने पापीकरण के तहत पार्टी नियंत्रण और अपने धार्मिक जीवन की सेंसरशिप के अधीन होने के लिए मजबूर होना पड़ा।

15 साल बाद अमेरिका में सबसे ज्यादा ब्याज दरें

न्यूयॉर्क । अमेरिका के फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में 1 बार फिर वृद्धि कर दी है। फेडरल ओपन मार्केट कमिटी ने दरों को 4.75 फ़ीसदी से बढ़ाकर 5 फ़ीसदी कर दिया है। इसके पहले यूरोपीय सेंट्रल बैंक भी अपनी दरों को बढ़ा चुका है। 2007 के बाद अब अमेरिका में फेडरल रिजर्व की ब्याज दरें सबसे उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। अमेरिका की ट्रेजरी सेक्रेटरी जेनेट येलेन ने बैंक डिपॉजिट इंश्योरेंस बढ़ाने अथवा जमाकर्ताओं को गारंटी देने से इनकार कर दिया है। पिछले 11 दिनों में 4 बैंकों के डूबने के बाद इंश्योरेंस बढ़ने की संभावना बन गई है। इसको देखते हुए अमेरिका की सरकार ने अब इससे पल्ला झाड़ लिया है। जिसके कारण बैंकों में जमा राशि पर अमेरिकी सरकार की गारंटी और बीमा कंपनियों की गारंटी भी सरकार ने लेने से इंकार कर दिया है। जिससे लोगों के पैसे डूबने का खतरा भी बढ़ गया है।

क्रिप्टो एक्सचेंज को नोटिस

अमेरिका के सिक्योरिटी एक्सचेंज कमीशन की ओर से, क्रिप्टो एक्सचेंज को नोटिस दिया गया है। क्रिप्टो एक्सचेंज को सिक्योरिटी कानून तोड़ने के खिलाफ़ कड़ी चेतावनी दी गई है। इसके बाद बुधवार को काइनबेस के शेयर मूल्यों में 15 फ़ीसदी से अधिक की गिरावट आ गई।

ब्राजील की पूर्व राष्ट्रपति डिल्मा रूसेफ ब्रिक्स बैंक की नयी प्रमुख चुनी गईं

ब्राजील की पूर्व राष्ट्रपति डिल्मा रूसेफ शुक्रवार को 'निर्विरोध रूप से' न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) की नयी प्रमुख चुनी गईं। डीएनबी ब्रिक्स देशों (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) द्वारा स्थापित एक बहुपक्षीय वित्तीय संस्थान है, जिसे ब्रिक्स बैंक के नाम से भी जाना जाता है। रूसेफ (75) एनडीबी प्रमुख के रूप में मार्कोस त्रोयजो की जगह लेंगी। इस बैंक का मुख्यालय शंघाई में है। एनडीबी की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, 'ब्रिक्स देशों के एनडीबी के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स ने रूसेफ को सर्वसम्मति से तत्काल प्रभाव से बैंक के अध्यक्ष के रूप में चुना है।'

रूसेफ ब्राजील के मौजूदा राष्ट्रपति लूला डा सिल्वा की करीबी सहयोगी मानी जाती हैं, जिन्होंने पिछले साल अक्टूबर में हुए राष्ट्रपति चुनावों में जायर बोल्सोनारो को शिकस्त दी थी। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के निमंत्रण पर 26 मार्च को लूला की चीन यात्रा से पहले रूसेफ की नियुक्ति की घोषणा की गई थी। जानी-मानी अर्थशास्त्री रूसेफ लगातार दो बार ब्राजील की राष्ट्रपति चुनी गई थीं। हालांकि, 2016 में उन्हें बजट में हेरफेर के आरोपों के बाद पद से हटा दिया गया था। रूसेफ ने अपने ऊपर लगाए गए सभी आरोपों को खारिज किया था।

अमेरिका पर ही लगाया आरोप, अब उसी अमेरिका से मांग रहे मदद इमरान : ख्वाजा आसिफ

स्लामाबाद। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने पहले अमेरिका पर आरोप लगाने और अब अमेरिका से ही मदद मांगने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर निशाना साधा। आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख खान के सहयोगी ने अमेरिका को पत्र लिखकर मदद मांगी है, जबकि पिछले साल उन्होंने सत्ता से हटाने की कथित साजिश रचने के लिए एक शीर्ष अमेरिकी राजनयिक का नाम लिया था। आसिफ ने कहा, उनकी राजनीतिक यात्रा शून्य से शुरू हुई। उन्होंने अमेरिका पर पीटीआई सरकार के खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाया था। और आज, शिरीन मजारी (पूर्व मानवाधिकार मंत्री) ने उनकी तरफ से अमेरिका को एक पत्र लिखा है...जिस देश पर कभी उन्होंने साजिश रचने का आरोप लगाया था, अब उससे मदद मांग रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इमरान खान ने पहले 'अहंकार और दुर्व्यवहार' के लिए मध्य और दक्षिण एशिया के अमेरिकी सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू को बर्खास्त करने की मांग की थी। खान ने दावा किया था कि पिछले साल अप्रैल में अविश्वास प्रस्ताव के द्वारा उनकी सरकार गिराने की साजिश रचने में लू ने केंद्रीय भूमिका निभाई थी।

अमेरिका में कश्मीर-कश्मीर चिल्लाने पर पाकिस्तानियों को धक्के मारकर बाहर निकाला

वाशिंगटन । अमेरिका में कुछ पाकिस्तानियों ने अपने देश की किरकिरी करवा दी। गुरुवार को वाशिंगटन डीसी के नेशनल प्रेस क्लब में कश्मीर के बदलाव पर चर्चा हो रही थी। इसी बीच में वहां कुछ पाकिस्तानी वहां हल्ला करने लगे। इसके बाद उन्हें धक्के मारकर निकाल दिया गया। इस घटना का वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में एक पाकिस्तानी अधिकारी चर्चा के दौरान वक्ता पर चिल्लाता हुआ दिखाई देता है। वीडियो में एक दूसरा पाकिस्तानी फ्रीडम ऑफ स्पीच का नारा लगा रहा है। इस हंगामे के बाद उन्हें धक्के मारकर बाहर निकाल दिया गया।

सर्बियाई राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वूसिक सोम्बोर में नाटो की आक्रामकता के पीड़ितों के लिए एक स्मरणोत्सव कार्यक्रम में दूसरों के साथ शोक मनाते हुए।

कमला हैरिस ने गार्सेटी को अमेरिकी राजदूत के रूप में शपथ दिलाई

न्यूयॉर्क। हाल ही में एक समारोह में उप राष्ट्रपति कमला हैरिस ने लॉस एंजेलिस के पूर्व मेयर एरिक गार्सेटी को आधिकारिक रूप से भारत में अमेरिकी राजदूत के रूप में शपथ दिलाई। कल हुए शपथ ग्रहण समारोह में गार्सेटी के परिवार के सदस्यों ने भाग लिया। इसमें उनकी पत्नी और बेटी शामिल थीं। अपने नए राजनयिक कार्यभार के बारे में पूछे जाने पर, पूर्व मेयर ने कहा, मैं सेवा करने के लिए इंतजार नहीं कर सकता। अमेरिकी सीनेट ने दोनों पक्षों के क्रॉस-वोटिंग के साथ 52-42 मतों के साथ उनकी नियुक्ति की पुष्टि की। राष्ट्रपति बाइडेन ने पहली बार उन्हें जुलाई 2021 में नामांकित किया था, लेकिन यह आगे नहीं बढ़ा। नई दिल्ली में अंतिम अमेरिकी राजदूत केनेथ जस्टर थे, जिन्होंने जनवरी 2021 में अमेरिका में सरकार बदलने के बाद पद छोड़ दिया था ।गौरतलब है कि गार्सेटी कभी डेमोक्रेटिक पार्टी में एक उभरता हुआ सितारा थे, लेकिन एक वरिष्ठ सहयोगी के खिलाफयौन उत्पीड़न की शिकायतों की अनदेखी करने के लिए हाल ही में उनकी कड़ी आलोचना की गई थी। इन आरोपों को लेकर उनका नामांकन रोक दिया गया था।

तंगहाली से गुजर रहे पाकिस्तान में हो सकता है सैन्य तख्तापलट

- सेना ने बुलाई आपातकालीन कमांडर्स कॉन्फ्रेंस

-सैन्य बजट में संभावित कटौती से नाराज है सेना

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में गहराते आर्थिक संकट के बीच पाकिस्तानी सेना ने अपने शीर्ष कमांडरों के साथ एक बैठक बुलाई है। इस बैठक में देश की कंगाल अर्थव्यवस्था और अस्थिर राजनीतिक संकट के अलावा सेना के बजट में संभावित कटौती की अटकलों पर चर्चा होनी है। पाकिस्तानी सेना इस बात से नाराज है कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से बेलआउट पैकेज पाने के लिए पाकिस्तानी सरकार सैन्य बजट में कटौती की प्लानिंग कर रही है। ऐसे में आशंका है कि पाकिस्तान में सैन्य तख्तापलट हो सकता है। कई विशेषज्ञों ने भी बताया है कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के समर्थकों और सुरक्षा बलों के बीच बढ़ता विवाद अब सैन्य नेतृत्व वाले समाधान की ओर जा रहा है। अगर ऐसा हुआ तो पाकिस्तान में चौथी बार सेना सत्ता पर काबिज होगी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान हर कुछ वर्षों में आर्थिक संकट में फंसता है, लेकिन रिपोर्ट बताती है कि इस बार का आर्थिक संकट काफी गंभीर है। पाकिस्तान कंगाली के बीच आतंकवादी हमलों और अब तक के सबसे खराब राजनीतिक संकट का सामना कर रहा है। बलूचिस्तान, खैबर पख्तूनख्वा समेत कई इलाकों में आतंकवादियों की पकड़ काफी मजबूत हो गई है। पेशावर में पुलिस लाइन में हुए आत्मघाती हमले में 100 से अधिक सुरक्षाकर्मियों और उनके परिजनों की मौत हुई थी। मौजूदा आर्थिक संकट के बीच पाकिस्तान का बाहरी ऋण और देनदारियां लगभग 130 अरब डॉलर तक पहुंच गई हैं। यह पाकिस्तान के कुल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 95.39 प्रतिशत है। लंबे समय से पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था काफी हद तक बाहरी कर्ज पर निर्भर है। औद्योगिक उत्पादन और गिरते निर्यात के बिना कर्ज एक खतरनाक स्तर को पार कर गया है। वहीं पिछले साल आई अभूतपूर्व बाढ़ ने इसे और भी बदतर बना दिया है। कमांडर्स कॉन्फ्रेंस के दौरान पाकिस्तान के आर्थिक संकट के बीच सैन्य खर्च में कटौती पर चर्चा की जाएगी। आईएमएफ ने पाकिस्तान को कर्ज देने से पहले रक्षा बजट घटाने और सैन्य खर्च को कम करने का भी प्रस्ताव रखा है। पाकिस्तानी सेना को डर है कि अगर सरकार ने आईमएफ की शर्त मानते हुए बजट को कम कर दिया तो इससे उनकी कमाई सीधे तौर पर प्रभावित हो सकती है। यही कारण है कि पाकिस्तानी सेना मौजूदा शहबाज शरीफ सरकार से चिढ़ी हुई है। इस बीच शहबाज शरीफ की तरफ से भी सेना को मनाने के लिए काम किया जा रहा है।

कनाडा की संसद में उठा अमृतपाल सिंह का मुद्दा, भारत ने दिया ये जवाब

पंजाब का मामला कनाडा की संसद में उठा। कनाडा के एफएम मेलानी जोली ने कहा कि हम पंजाब में विकसित स्थिति से अवगत हैं, इसका बहुत बारीकी से अनुसरण कर रहे हैं। हम अधिक स्थिर स्थिति में लौटने की आशा करते हैं। कनाडा के सांसद इकविंदर गहीर द्वारा मामला उठाए जाने के मामले के जवाब में कनाडा एफएम ने जवाब दिया। कनाडा की विदेश मंत्री ने कहा कि हम पंजाब की स्थिति से अवगत हैं और हम बहुत बारीकी से इस पर नजर रख रहे हैं। हम आशा करते हैं कि स्थिति बेहतर होगी। हम समुदाय (सिख समुदाय) के कई सदस्यों की चिंताओं को दूर करना जारी रखेंगे, आप हम पर भरोसा कर सकते हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि हमने लंदन में हमारे उच्चायोग के बाहर जो कुछ हुआ, उस पर प्रासंगिक एजेंसियों के साथ घटना की रिपोर्ट साझा की है। अब यह कानून प्रवर्तन एजेंसियों पर निर्भर है कि वे इसके बारे में क्या कर सकते हैं। पंजाब में अधिकारी भगोड़े (अमृतपाल सिंह) को पकड़ने के लिए अभियान चला रहे हैं। हम विदेशों में लोगों से आग्रह करेंगे कि सोशल मीडिया पर कुछ तत्वों द्वारा प्रसारित गलत और प्रेरित बयानों से बचें।

अत्यधिक खपत और अतिविकास से पानी खतरे में

-यूएन ने एक और संकट को लेकर किया आगाह

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र ने ताजा रिपोर्ट में कहा है कि पानी दुनिया भर में 'अत्यधिक खपत और अतिविकास' के कारण खतरे में है। यह रिपोर्ट इस मुद्दे पर एक प्रमुख शिखर सम्मेलन के शुरू होने से कुछ घंटे पहले प्रकाश में आई। लगभग आधी सदी में जल संसाधनों पर संयुक्त राष्ट्र की पहली बड़ी बैठक से कुछ घंटे पहले जारी की गई रिपोर्ट की प्रस्तावना में संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा 'दुनिया आंख मूंदकर एक खतरनाक रास्ते पर चल रही है'। क्योंकि 'अस्थिर पानी का उपयोग, प्रदूषण और अनियंत्रित ग्लोबल वार्मिंग मानवता के जीवन रक्त को खत्म कर रहे हैं।'

ताजिकिस्तान और नीदरलैंड की सरकारों द्वारा संयुक्त राष्ट्र जल सम्मेलन की सह-मेजबानी न्यूयॉर्क में शुक्रवार तक लगभग 6,500 प्रतिभागियों को इकट्ठा करेगी। इसमें एक सौ मंत्री और एक दर्जन राज्य और सरकार के प्रमुख शामिल हैं। रिपोर्ट के प्रमुख लेखक रिचर्ड कॉनर ने कहा कि 'विश्व जल संकट का प्रभाव दुनिया के इसके प्रति रवैये पर निर्भर करेगा। अगर कुछ नहीं किया जाता है, तो यह हमेशा की तरह एक व्यापारिक रवैया होगा। यह संकट दुनिया की 40 प्रतिशत से 50 प्रतिशत आबादी के बीच बना रहेगा। जिनकी पहुंच स्वच्छ जल तक नहीं है।' उन्होंने आगे कहा 'वैश्विक आबादी हर दिन बढ़ रही है। आने वाले समय में ऐसे अधिक से अधिक लोग होंगे जिनकी इन सेवाओं तक पहुंच नहीं होगी।'

आईपीसीसी विशेषज्ञ पैनल द्वारा संयुक्त राष्ट्र की सबसे हालिया जलवायु रिपोर्ट के अनुसार दुनिया की लगभग आधी आबादी वर्तमान में पानी की गंभीर कमी का अनुभव कर रही है। इस कमी का गरीबों पर सबसे अधिक प्रभाव पड़ता है।इस विषय पर समन्वय कार्य के लिए बनाया गया एक मंच यूएन-वाटर के अध्यक्ष गिल्बर्ट हॉन्गबो ने कहा 'करने के लिए बहुत कुछ है लेकिन समय हमारे पक्ष में नहीं है।' यूएन-वाटर और यूनेस्को द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि अत्यधिक खपत और प्रदूषण के कारण कमी स्थानिक होती जा रही है।

सैन फ्रांसिस्को में वाणिज्य दूतावास पर हमले के विरोध में भारतीय अमेरिकियों ने निकाली रैली

- कुछ खालिस्तान समर्थकों ने भारतीय वाणिज्य दूतावास पर किया हमला

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में कुछ खालिस्तान समर्थक तत्वों द्वारा भारतीय वाणिज्य दूतावास पर हमला किए जाने की घटना के बाद भारतीय-अमेरिकी समुदाय के सदस्य बड़ी संख्या में जमा हुए और उन्होंने ने दूतावास के सामने भारत के समर्थन में एक शांति रैली निकाली। खालिस्तान समर्थक प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने रविवार को सैन फ्रांसिस्को में भारतीय वाणिज्य दूतावास पर हमला कर वहां तोड़फोड़ की थी।

उन्होंने खालिस्तान समर्थक नारे लगाते हुए पुलिस के अस्थायी सुरक्षा अवरोधकों को तोड़ दिया था और वाणिज्य दूतावास परिसर के अंदर दो तथाकथित खालिस्तानी झंडे लगा दिए थे। हालांकि, वाणिज्य दूतावास के दो कर्मियों ने जल्द ही उन झंडों को हटा दिया था। इसके बाद प्रदर्शनकारियों का एक समूह वाणिज्य दूतावास परिसर में घुस गया था और दरवाजे तथा खिड़कियां भी तोड़ दीं थी। इस घटना का विरोध करने के लिए बड़ी संख्या में भारतीय अमेरिकी सैन फ्रांसिस्को पहुंचे और भारत के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए उन्होंने शुक्रवार को तिरंगा लहराया।

उन्होंने अलगाववादी सिखों की विनाशकारी गतिविधियों की निंदा की। इस रैली के दौरान स्थानीय पुलिस भी मौजूद थी, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके। इस दौरान कुछ अलगाववादी सिख भी थे, जिन्होंने खालिस्तान के समर्थन में नारे लगाए, लेकिन भारत का समर्थन कर रहे भारतीय अमेरिकियों की संख्या उनसे कहीं अधिक थी। भारतीय अमेरिकियों ने 'वंदे मातरम्' के नारे लगाए और अमेरिका के साथ भारत का राष्ट्रध्वज लहराया।

आतंकवाद से जुड़े 5 मामलों में 27 मार्च तक बढ़ाई इमरान की अग्रिम जमानत की अवधि

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की एक अदालत ने आतंकवाद से जुड़े पांच मामलों में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को दी गई अग्रिम जमानत की अवधि शुक्रवार को 27 मार्च तक के लिए बढ़ा दी। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी (पीटीआई) के प्रमुख इमरान खान (70) शुक्रवार को कड़े सुरक्षा घेरे के बीच लाहौर उच्च न्यायालय की दो न्यायाधीशों वाली पीठ के समक्ष पेश हुए। इमरान को पिछले हफ्ते आतंकवाद के इन मामलों में गिरफ्तारी से 24 मार्च तक के लिए सुरक्षा प्रदान की गई थी। इन पांच मामलों में से एक इस्लामाबाद में एक न्यायिक परिसर में कथित हमले से संबंधित है।

सरकार के विधि अधिकारी ने इमरान की अग्रिम जमानत अवधि बढ़ाने का यह कहते हुए विरोध किया कि उन्हें इस्लामाबाद की अदालत से जमानत हासिल करनी चाहिए। इमरान ने पिछले हफ्ते लाहौर उच्च न्यायालय में कहा था कि इस्लामाबाद की एक अदालत में पेशी के दौरान इस्लामाबाद पुलिस और फ्रंटियर कांस्टेबुलरी के जवानों ने उनकी कार पर आंसू गैस के गोले दागे थे, जिसके बाद पीटीआई कार्यकर्ताओं और पुलिसकर्मियों के बीच झड़प शुरू हो गई थी। इमरान ने दावा किया था कि इस्लामाबाद में उनकी हत्या की साजिश रची गई थी और यही कारण है कि वह लाहौर लौट आए। पीटीआई प्रमुख ने अदालत से कहा कि मेरी जान को खतरा है। मैं अदालत से अनुरोध करता हूं कि वह उस वीडियो को देखे, ताकि उसे पता चले कि मैं न्यायिक परिसर के बाहर 40 मिनट से इंतजार कर रहा था, क्योंकि मैं सच बोल रहा हूं।

चल रहे 140 मुकदमों में व्यक्तिगत रूप से पेश होना संभव नहीं: इमरान

इमरान ने कहा कि वह कुल 140 मुकदमों का सामना कर रहे हैं, जिनमें से 40 मुकदमे आतंकवाद से जुड़े हैं और हर मामले में व्यक्तिगत रूप से पेश होना संभव नहीं है। इमरान ने अदालत से यह भी कहा कि उसके आदेश के बावजूद पंजाब प्रांत की पुलिस ने जमान पार्क लाहौर स्थित उनके आवास पर छापा मारा और उसे नुकसान पहुंचाया तथा कई वस्तुएं चोरी कर लीं।

दलाई लामा ने बनाया मंगोलियाई बच्चे को बौद्ध धर्म का तीसरा सबसे बड़ा धर्मगुरु

- दलाईलामा के इस कदम से चीन हो सकता है नाराज

नई दिल्ली (एजेंसी)। ल्हासा (ईएमएस)। बौद्ध धर्म के सर्वोच्च नेता दलाई लामा ने अमेरिका में पैदा हुए मंगोलियाई बच्चे को तिब्बती बौद्ध धर्म में तीसरे सबसे महत्वपूर्ण आध्यात्मिक नेता का दर्जा दिया है। यह बच्चा दलाई लामा और पंचेन लामा के बाद बौद्ध धर्म का तीसरा सबसे बड़ा धर्मगुरु बना है। इस बच्चे की उम्र 8 साल बताई जा रही है। बौद्ध धर्म में धर्मगुरुओं के पुनर्जन्म का खास महत्व है। दलाई लामा ने इस बच्चे को 10वें खलखा जेटसन धम्पा रिनपोछे का पुनर्जन्म के रूप में मान्यता दी है। इस बच्चे को तिब्बती धर्मगुरू के रूप में मान्यता देने का समारोह हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में आयोजित किया गया था। यह वही जगह है, जहां 87 साल के दलाई लामा निर्वासन में रहते हैं। तिब्बत की निर्वासित सरकार भी इसी जगह से काम करती है। मंगोलियाई रिपोर्ट्स के अनुसार यह बच्चा जुड़वां लड़कों में से एक है। इन दोनों के नाम अगुइदाई और अचिल्टाई अल्टानार हैं। इनके माता-पिता का नाम अलतनार चिंचुलुन और मोनखनासन नमर्दख है। बच्चे के पिता अलतनार चिंचुलुन एक विश्वविद्यालय के गणित के प्रोफेसर और एक राष्ट्रीय संसाधन समूह के कार्यकारी हैं। लड़के की दादी मंगोलिया की गरमजाव सेडेन पूर्व सांसद रही हैं।

मंगोलिया में जन्मे बच्चे को बौद्ध धर्म के आध्यात्मिक नेता के पुनर्जन्म के रूप में मान्यता देने के कदमों से चीन नाराज हो सकता है। चीन ने पहले ही जोर देकर कहा है कि वह केवल उन बौद्ध नेताओं को मान्यता देगा, जिन्हें चीनी सरकार से अनुमोदित स्पेशल टीम ने चुना हो। दलाई लामा के इस कदम से मंगोलिया में खुशी और डर दोनों देखा जा रहा है। मंगोलियाई लोगों को डर है कि दलाई लामा के इस फैसले से नाराज चीन उनके देश के खिलाफ कोई कड़ी कार्रवाई कर सकता है। मंगोलिया पहले से ही चीनी आक्रामकता का शिकार रहा है, जिसने इनर मंगोलिया के नाम से एक बड़े हिस्से पर कब्जा जमा रखा है।

1995 में जब दलाई लामा ने एक नए पंचेन लामा का नाम लिया, तब चीनी अधिकारियों ने उसे गिरफ्तार कर गायब कर दिया। उसकी जगह चीन ने अपने द्वारा चुने गए एक बौद्ध को पंचेन लामा के तौर पर प्रस्तुत किया। ऐसे में आशंका है कि चीन कहीं इस बच्चे के खिलाफ भी कोई आक्रामक कार्रवाई न कर दे। दलाई लामा ने खुद बताया है कि उनके निधन के बाद अगला दलाई लामा चीन या चीन नियंत्रित क्षेत्र से नहीं होगा। इससे संकेत मिलता है कि उनका उत्तराधिकारी भारत, नेपाल, भूटान या मंगोलिया जैसे किसी तिब्बती बौद्ध धर्म मानने वाले देशों से हो सकता है। दलाई लामा ने 2016 में मंगोलिया का दौरा किया था और घोषणा की थी कि जेटसन धम्पा का एक नया अवतार पैदा हुआ है और उसकी खोज चल रही है। इस यात्रा के बाद चीन ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए गुस्से का इजहार किया था। चीन ने मंगोलिया को राजनयिक प्रतिक्रिया की धमकी भी दी थी। दलाई लामा को 1937 में पिछले नेता के पुनर्जन्म के रूप में पहचाना गया था, जब वह सिर्फ दो साल के थे।

संपादकीय

कर लें नूतन हमारा मन

हम जैसे नूतन वर्ष में प्रवेश कर रहे है ठीक इसी तरह अगर हम मन में कुछ नूतन को जगह दे दे । जिससे हमारा मन सकारात्मक की ऊर्जा से भरा रहेगा । किसी ने कहा की -है चुनौती जिन्दगी में हर कदम पर,अंधेरी गलियों से भी होगा गुजरना। कौन कब तक हमारा साथ देगा फिक्र कैसी ?आखिर तो है अकेले ही सबको चलना। दूर मंजिल,राह भी है कठिन- दुर्गम,व्यर्थ चिंतन मे समय फिर क्यूँ गंवाऊं ? सारथी हूँ सूर्य की पहली किरण का अंधेरों से दोस्ती कैसे निभाऊँ ? रात के आगे नया प्रभात होगा, जागरण के मंत्र का शंखनाद होगा। परिवर्तन का चक्र ये चलता रहेगा,सृजन नूतन,पुरातन का नाश होगा। है नियम कुछ सृष्टि के शाश्वत- सनातन,हर घटना पर फिर मैं क्यूँ आंसू बहाऊं ? सारथी हूँ सूर्य की पहली किरण का, अंधेरों से दोस्ती कैसे निभाऊं ? क्षण में ! एक कोण से !अवलोकन ! या सामान्य व्यक्तिगत ज्ञान से !

आदि से होता नहीं कभी पूर्ण नूतन उद्द्घाटित ।करें परीक्षण यदि नित ! एक नूतन पक्ष उभर आता समक्ष प्रति नित ! बार -बार स्वाध्याय से एक शब्द के असंख्य अर्थ का निकलता रहता कोष नित नूतन ज्ञान से भरता रहता ! जयाचार्य ने निरंतर अनेकों बार आगम का स्वाध्याय किया ! खोज लाते नित नूतन अनेक शब्द रत्न! अनेकांत का सिद्धांत लाता सत्य के और भी निकट !

Parichit कराता द्रव्य की अनंत पर्यायों को , कराता वाकफ़ि सत्य की गहरायी को ।ज्ञान सत्य व नूतन की खोज में रहो सदा पिपासु ! नहीं होना बस अपने ही ज्ञान से संतुष्ट ! पुरुषार्थ करें चिंतन मनन और समीक्षा में निज नित ! होगा विकास निखार और परिष्कार सिद्ध ! जिससे हो जाएगा जिन से आमूलचूल सकारात्मक हमारा मन। यानी नवीन चेतना का जन्म हो जाएगा। इस पर हम गम्भीरता से अवश्य चिन्तन करें ।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशीफल

मेष पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आपके वर्चस्व तथा प्रभाव में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

वृषभ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

मिथुन प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। आर्थिक लाभ होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।

कर्क पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समाचार मिलेगा। रोजी रोजगार के प्रयास सफल होंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता से रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

तुला पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

वृश्चिक आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। व्यावसायिक दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। विरोधियों का पराभव होगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। आर्थिक संकट से गुजरना होगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन आगमन होगा। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

मानहानि में सजा से संसद सदस्यता जाने तक राहुल गांधी !

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

मानहानि के केस में निचली अदालत से सजा होने को आधार बनाकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता अत्यधिक तत्परता दिखाते हुए रद्द कर दी गई है। लोकसभा सचिवालय की तरफ से इसका आदेश भी जारी कर दिया गया है। राहुल गांधी को सूरत की एक अदालत ने मानहानि के मुकदमे में दोषी ठहराते हुए दो साल की सजा सुनाई है। राहुल गांधी पर सन 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान मोदी शब्द पर विवादित टिप्पणी करने का आरोप लगाया गया था। जिसे लेकर राहुल गांधी के विरुद्ध गुजरात के भाजपा विधायक और पूर्व मंत्री पूर्णेश मोदी ने मानहानि का मुकदमा दायर किया था। जिसमे अदालत ने उन्हें दोषी करार देते हुए 2 साल की सजा सुनाई है।लोक प्रतिनिधित्व नियम के अनुसार, अगर किसी सांसद या विधायक को दो साल या इससे अधिक की सजा होती है तो उसकी सदस्यता चली जाती है यानि वह सदन में अयोग्य हो जाता है। राहुल गांधी के साथ भी ऐसा ही हुआ।

लोक-प्रतिनिधि अधिनियम 1951 की धारा 8(3) के तहत अगर किसी नेता को दो साल या इससे ज्यादा की सजा सुनाई जाती है तो उसे सजा होने के दिन से उसकी अवधि पूरी होने के बाद आगे छह वर्षों तक चुनाव लड़ने पर रोक का प्रावधान है। अगर कोई विधायक या सांसद है तो सजा होने पर वह अयोग्य ठहरा दिया जाता है। उसे अपनी विधायकी या सांसदी छोड़नी पड़ती है। इसी नियम के तहत राहुल की सदस्यता चली गई। सूरत की जिस अदालत ने राहुल को सजा सुनाई है, उस अदालत ने राहुल गांधी को फैसले के खिलाफ सेशंस कोर्ट में याचिका दायर करने के लिए एक महीने का समय दिया है। तब तक राहुल गांधी की सजा पर रोक है, मतलब वह इस दौरान जेल जाने से बचे रहेंगे।सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के अनुसार, ऐसे मामलों में सजा निलंबित होने का मतलब दोषी को केवल जेल जाने से राहत मिलती है लेकिन सजा के अन्य असर प्रभावी रहेंगे। जैसे कि अगर कोई संसद या विधानसभा का सदस्य है तो उसकी सदस्यता चली जाएगी, वोट देने का अधिकार भी खत्म हो जाएगा। चूंकि कोर्ट ने राहुल को दोषी करार कर दिया है। इसलिए नियम के अनुसार राहुल की सदस्यता चली गई है। हालांकि जिस न्यायालय ने सजा सुनाई है,जब उसी ने सजा को अपील समय तक यानि एक माह तक के लिए सजा को निलंबित किया है तो संसद सदस्यता समाप्त करने के लिए भी एक माह का इंतजार किया जा सकता था,जो संसद ने नही किया और उनकी सदस्यता समाप्त कर दी।

अब राहुल गांधी के पास केवल दो विकल्प है। चूंकि राहुल गांधी को सजा सुनाने वाली सूरत की अदालत ने उन्हें एक महीने का समय अपील के लिए दिया है। इस एक महीने के अंदर राहुल गांधी को उक्त कोर्ट के फैसले के खिलाफ सेशंस कोर्ट में अपील दायर करनी होगी ,इसके बाद सेशंस कोर्ट के फैसले पर राहुल गांधी का भविष्य निर्भर होगा।

चूंकि राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता खत्म कर दी गई है। ऐसे में अगर वह अपनी सदस्यता वापस हासिल करना चाहते हैं तो उन्हें हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट का रूख भी करना पड़ेगा। अगर राहुल गांधी सेशंस कोर्ट जाते हैं और वहां से उन्हें राहत मिलती है तो वह जेल जाने से बच सकते हैं। इसके अलावा उनपर चुनाव न लड़ पाने का छह साल का प्रतिबंध भी लग जाएगा।आमतौर पर अदालतें जब किसी व्यक्ति को सजा सुनाती हैं और अगर सजा मामूली है और संज्ञेय अपराध नहीं है तो उसको अगली शीर्ष अदालत में अपील के लिए जो समय दे दिया जाता हैं, उस अवधि के लिए उसके द्वारा तय जमानत राशि देने पर जमानत दे दी जाती हैं।जब अदालत को जमानत राशि तय करनी होती है तो वह कई बातों पर विचार करती है।जैसे अपराध या सजा की स्थिति की कितनी गंभीर है। वही जिसे जमानत दी जा रही है, उसकी स्थिति क्या है. उसके लिए कितनी जमानत की राशि उपयुक्त रहेगी। कई बार ये जमानत राशि व्यक्ति की हैसियत देखकर भी तय होती है।जमानत की ऊपर की स्थितियों में बताई गई जमानत की राशि अदालत या जज के विवेक पर तय होता है।अदालत यह फैसला करती है कि जिस व्यक्ति को जमानत दी जा रही है, उसे कितनी जमानत की राशि देनी चाहिए, ये व्यक्ति की हैसियत के साथ उसके अपराध और सजा की प्रवृत्ति पर भी निर्भर करता है।राहुल गांधी को संसद से अयोग्य करार दिया जाना कांग्रेस पार्टी के लिए बड़ा झटका है।क्योंकि इसके बाद वे रिप्रजेंटेशन ऑफ द पीपुल एक्ट 1951 के तहत 8 साल तक वे चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। राहुल गांधी के खिलाफ बाकी केस भी अभी लंबित है, जिनमें सबसे अहम है मोदी सरकार के दौरान नेशनल हेराल्ड केस में केन्द्रीय जांच एजेंसी ईडी की तरफ से हो रही जांच।उक्त कोर्ट का फैसला ऐसे समय आया है जब पार्टी के कई बड़े नेता पार्टी छोड़कर जा चुके हैं। कांग्रेस पार्टी आज जिस तरह विपरीत परिस्थितियों का सामना कर रही है और राहुल गांधी को संसद से अयोग्य करार दिया गया, ऐसे में सन 1977 जैसी ही स्थिति फिर से पैदा हो गई है ।आपातकाल के समय इंदिरा गांधी और कांग्रेस पार्टी को भारी हार का सामना करना पड़ा था।सीबीआई ने उन्हें अपनी कस्टडी में लिया था।पूर्व प्रधानमंत्री को उस समय इन्क्वायरी कमीशन के सामने पेश होना पड़ा था और उनसे कई कड़े सवाल पूछे गए थे।बाद में उन्होंने खुद को पीड़ित बताया था और जनता की सहानुभूति बटौरी थी।उसके बाद वे योद्धा बनकर उभरी थी और सन 1980 में शानदार सत्ता में वापसी की थी। अब ऐसा हो सकता है कि इस सजा और लंबित मामलों के चलते राहुल गांधी मोदी सरकार पर कम हमलावर हों।इसके साथ ही, उनके लिए यह एक अवसर होगा अपना विकल्प खोजने का, जो कांग्रेस व देश के लिए आगे लाया जाए,इनमें प्रियंका गांधी भी बेहतर विकल्प बन सकती है। बीजेपी लगातार ये कहती रही है कि उसके चुनाव जीतने में राहुल गांधी बड़ा फैक्टर हैं। हालांकि, ये पूरी तरह से सच नहीं है, बीजेपी को जीत इसलिए मिलती रही क्योंकि विपक्ष में बड़ा बिखराव है। इसी कारण मोदी वर्सेज राहुल करने से 2024 के चुनाव के लिए बीजेपी के खिलाफ विपक्ष को एकजुट करने में कांग्रेस को सफलता नहीं मिल पा रही है। वही ममता बनर्जी ने तो यहां तक कह दिया कि पीएम मोदी के लिए राहुल सबसे बड़े टीआरपी हैं। ऐसे में अगर राहुल आक्रामक रुख नहीं अपनाते है और कांग्रेस बड़े भाई के अपने बर्ताव वाले रूख को छोड़ती है तो विपक्षी पार्टियां उनके साथ आ सकती है और तीसरे मोर्चे की जरूरत नहीं होगी।ममता बनर्जी ने हमेशा बातचीत के लिए राहुल गांधी की मां सोनिया गांधी को ही तरजीह दी है। बिहार के सीएम नीतीश कुमार, जो पीएम पद के लिए हाल के समय तक बड़े दावेदार माने जाते रहे, उनकी भी सोनिया गांधी से अच्छी बनती है।दिल्ली के सीएम केजरीवाल भी कई मौको पर राहुल पर तंज कसते रहे हैं।हालांकि, राहुल गांधी को सजा सुनाए जाने के बाद केजरीवाल ने ट्वीट करते हुए कहा था कि कांग्रेस के साथ हमारे मतभेद है, लेकिन मानहानि केस में राहुल गांधी को इस तरह से फंसाना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि गैर बीजेपी नेताओं और पार्टियो को हटाने के लिए साजिश रची जा रही है।ऐसे में कोर्ट के इस फैसले के बाद जहां एक तरफ राहुल गांधी का हस्तक्षेप पार्टी के लिए ,लिए जाने वाले फैसलों में जहां कम हो सकता है वहीं दूसरी तरफ विपक्ष के अब कांग्रेस के साथ आने की संभावना है। इसके अलावा, राहुल गांधी की संसद सदस्यता जाने के बाद कर्नाटक, केरल में विधानसभा का चुनाव होगा, यह भी हो सकता है कि इस सहानुभूति का कर्नाटक में कांग्रेस को फायदा मिले। केन्द्रीय जांच एजेंसियों के खिलाफ कांग्रेस समेत 14 पार्टियो का एक साथ सुप्रीम कोर्ट का रुख करना यह बताता है कि आने वाले दिनों में कांग्रेस दूसरे विपक्षी दलों को अपने साथ लेकर आगे बढ़ सकती है। ऐसे में गैर बीजेपी पार्टियो का गठबंधन आने वाले समय में और प्रभावी हो सकता है।इस हालात में कांग्रेस को इस सजा से भी संजीवनी मिल सकती है।

प्रभुनाम : मन के कूकर की सीटी

फिजियोथैरेपी के वर्गखंड में 70 युवक-युवतियां बैठे थे। "आर्ट ऑफ़ कम्युनिकेशनज विषय पर मेरा प्रशिक्षणवर्ग च्व्यक्तित्व विकास' के अंतर्गत शुरू होना था। और मैंने शुरू किया: जय श्रीकृष्ण! कई छात्रों ने एक-दूसरे की तरफ देखा, हँसे, और प्रतिघोष किया = जय श्रीकृष्ण! मैंने तुरंत कहाः जय स्वामिनारायण। अब सबकी आवाज एक साथ आई = जय स्वामिनारायण।

विद्यार्थियों को थोड़ा सा अजीब लग रहा था, शायद इसलिए कि कॉलेज के लेक्चर के आरम्भ की इस प्रकार की परम्परा उन्होंने आज तक देखी या सुनी नहीं थी...परन्तु प्रभुनाम को आत्मसात् करने का उनका उत्साह प्रतिक्रिया के रूप में तुरंत दिखाई दे रहा था। मन वास्तव में प्रसन्न हुआ ।

जब भी हमारा मन उदास होता है, कर्जदारों के फोन की घंटियां लगातार दनदनाती रहती हैं, घर में माता-पिता या सास-ससुर की गंभीर या पुरानी बीमारियों ने न केवल घर को, बल्कि मन और धन को भी घेर लिया होता है, बेटा या बेटी ने यदि अनुचित रास्ते पर चलकर सारे समाज में परिवार की छवि को धूमिल किया है, ब्याज की चपेट में बैंक बैलेंस ढह रहा है, कोर्ट केस की तारीख पे तारीख दिमाग और दिल को कुचल रही है, आधी रात में नींद उचट रही है, ऐसी हर स्थिति में, कहा जाता है कि च्हरिनामज्ञ से बड़ी सांत्वना कोई नहीं है।

लेकिन क्या आपने वाकई श्रद्धा और विश्वास के साथ किए गए ऐसे नामजप का कोई स्वानुभव किया है?

मुझे इसी सन्दर्भ में हमारे एक बुजुर्ग की विशेष आदत याद आ रही है। वे जब भी हाथ में अखबार लेते हैं और जब आत्महत्या, दुर्घटना, युद्ध, हत्या या दंगे से हुई मौतों के समाचार पढ़ते हैं, तो वे उच्च स्वर से बोल उठते हैं- हे राम, हे हरि, हे नारायण! इन सभी आत्माओं को सद्गति दें...

जब कोई पूछता है चाचा, क्या आपकी यह प्रार्थना फलीभूत हो रही होगी?

और वे सहज भोलेपन से मुस्कराते हुए कहते हैं, 'भाई, प्रार्थना सुनना-न सुनना भगवान का काम है। लेकिन ऐसी अपमृत्यु की खबरें सुनकर इतनी पीड़ा होती है, कि मैं तो इस प्रार्थना से अपने भीतर की उस पीड़ा को कम करने का काम कर रहा हूं। चाहे सब को लगे कि मैं कोई परमार्थ कर रहा हूँ, तो ठीक है, पर वास्तव में मैं यह अपने स्वार्थ के लिए ही कर रहा हूँ...!

अगर तुलसीदासजी कहते हैं- च्राम नाम एक अंक है, सब साधन है सब शून्य !"

या कबीरजी कहते हैं-"जा मुख राम ना निकसे, वो मुख है किस काम?"

या फिर गुरु नानक लिखते हैं कि "तू नाम जपन क्यों छोड़ दिया?"

या ब्रह्मानंद स्वामी लिखते हैं, "प्रभु एक नाम तेरा सुखकारी!" तो हमें लगता है कि इन सारे संतों का तो जीवन-उद्देश्य ही यही था, इसलिए वे तो यह सब लिखेंगे ही !

लेकिन अब जो बातें आपके समक्ष रख रहा हूँ, उसे ध्यान से पढ़ें... हमारे तार्किक दिमाग को प्रभावित करने के लिए यह जानकारी बिलकुल सटीक बैठती है....।

1970 के दशक में, जब हावर्ड विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक हर्बर्ट बेन्सन ने ध्यान, जप और मन के बीच के संबंध के बारे में एक के बाद एक अनेक रहस्य को उजागर करना शुरू किया, तो विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ वैज्ञानिक भी शरीर की बीमारियों के इलाज में आध्यात्मिकता की भूमिका को महत्त्व देने लगे। मेडिकल का पाठ्यक्रम चलाने वाले तीन अमरिकी मेडिकल कॉलेजों में 1995 से च्चिकित्सा में आध्यात्मिकताज्ञ को एक महत्त्वपूर्ण विषय के रूप में पेश किया गया है। वर्ष 2000 में विश्वप्रसिद्ध ऑक्सफर्ड विश्वविद्यालय द्वारा "हैंडबुक ऑफ रिलिजन एंड हेल्थ" प्रकाशित की गई थी। जिसमें 40 साल के शोध को स्पष्ट किया गया और हर्बर्ट बेन्सन को च्च्बोस्टन ग्लोबज्ञ में लिखते हुए उद्धृत किया गया कि It can bring scientifically stable benefits. अर्थात् आप ध्यान या जप से होनेवाले प्रत्येक लाभ को वैज्ञानिक रूप से सिद्ध कर सकते हैं !

मूलत: यह विवरण है, ईश्वर की शक्ति के बारे में। जब हम त्सुनामी, भूकंप, मूसलाधार बारिश से हुए तबाही का मंजर, प्रलयकारी बाढ़, , या बड़े बड़े पहाड़ों को दो भागों में फाड़कर रख देन:वाले भयानक ज्वालामुखी के विस्फोटों को देखते हैं, तो तुरंत एहसास हो जाता है, कि मानव बुद्धि, मानव अनुसंधान, मानवनिर्मित तकनीक या उसकी कोई भी क्षमता प्रकृति के सामने कितनी बौनी हैं!

नामस्मरण और नामजप के प्रभावों के बारे में भारत में कोई गहन वैज्ञानिक शोध क्यों नहीं हुआ, यह एक ऐसा प्रश्न है, जो उस क्षेत्र के डॉक्टरों, मनोचिकित्सकों या शोधकर्ताओं को पूछा जाना चाहिए ।

2008 में "पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय" के न्यूरोसाइंटिस्ट डॉ. एंड्रयू न्यूबर्ग कई प्रयोग कर चुके थे कि हरिनाम के जप से मनुष्य का मन कितना शांत होता है, और उसकी याददाश्त कितनी बढ़ती है...

उन्होंने मंत्र और ध्यान पर 12 मिनट का प्रयोग उन लोगों पर किया, जिन्होंने कभी मंत्र या ध्यान का अभ्यास नहीं किया था। इस वैज्ञानिक ने 8 सप्ताह तक सैकड़ों लोगों पर प्रयोग करके उन्हें 'नामजप' पर केन्द्रित किया। अंत में सभी की याददाश्त नापी गई। जो 12 फीसदी से बढ़कर 20 फीसदी हो गई थी।

उन्होंने अपने इन अनुभवों को "हाउ गॉड चेंजेस योर ब्रेन!" पुस्तक में विस्तार से लिखा है।

आपको स्वयं यह अनुभव हुआ होगा कि जब मन पर पीड़ा, कष्ट या यातना का जबरदस्त दबाव होता है, तो मुंह से स्वतः उद्गार निकल आता है कि हे ईश्वर! हे भगवान! अब तो तू ही एक सहारा है... बस, एक तू ही तारणहार है..! शायद यही उद्गार मन के भीतर उमड़ रहे शोक-दुःख या उत्ताप के धुएं को उड़ाने के लिए कूकर की सीटी की तरह काम करता है।

अमेरिकी वैज्ञानिक डॉ. एच.जी. कोएनिंग ने दो तरह के लोगों पर विशेष प्रयोग किए, जिनकी उम्र 65 वर्ष से अधिक थी। उन्होंने 4,000 लोगों का अध्ययन किया, और निष्कर्ष यह निकला कि जो बुजुर्ग नियमितरूप से जप, ध्यान या प्रभु के दिव्य चरित्रों को सुनना आदि आध्यात्मिक और धार्मिक गतिविधियों में शामिल होते थे, उन लोगों की तुलना में, जो ऐसी गतिविधियों में शामिल नहीं होते थे, ऐसे लोगों में 60 से 75 प्रतिशत लोग मजबूत रोगप्रतिकारक क्षमता रखने वाले थे, साथ ही वे ज्यादा खुश और तेजतर्रार भी नजर आए!

लेखक : हरिकृष्ण शास्त्री
सुरत गुजरात

विचार मंथन

युवाओं की बेरोजगारी के लिए सरकारें जवाबदेह

(लेखक - सनत जैन)

एनएसएसओ का ताजा सर्वे सामने आया है। इस सर्वे के अनुसार भारत में 15 से 29 वर्ष की आयु वर्ग के 38 करोड़ युवाओं में से हर तीसरा युवा ना तो कोई पढ़ाई कर रहा है। नाही कहीं प्र शिक्षण ले रहा है और नाही कोई कारोबार कर रहा है। इस सर्वे के अनुसार लगभग 12 से 13 करोड युवा पूरी तरह से बेरोजगार रहकर घर बैठे हैं। उनके सामने आगे कोई लक्ष्य भी नहीं है। सर्वे के अनुसार 2036 तक यह स्थिति और भी विकराल हो सकती है। सरकार ने लोकसभा में जो आंकड़े प्रस्तुत किए हैं। उसमें पिछले 8 वर्ष में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना में हर 4 प्रशिक्षित युवाओं में से एक युवा को ही नौकरी या रोजगार मिला है। बाकी 4 में से 3 प्रशिक्षण के सर्टिफिकेट लिए हुए घूम रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार तीसरे चरण में मात्र 10 परसेंट युवा ही प्रशिक्षित होकर नौकरी प्राप्त कर सके हैं। यह नौकरी भी कुछ ही महीने रहती है। उसके बाद यह नौकरी भी बेरोजगारी में तब्दील हो जाती है। ऐसा युवाओं के बीच सर्वे करने के बाद पाया गया है। सरकार ने अभी तक 18800 करोड रुपए प्रशिक्षण में खर्च करके 1 करोड 32 लाख युवाओं को कौशल विकास का प्र शिक्षण दिया है। हर युवा पर सरकार ने 16000 रुपये खर्च किए। इसके बाद भी सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार ही 30 लाख युवा अपनी आजीविका चलाने के लायक प्रशिक्षित हुए हैं। आईटीआई से प्रशिक्षित युवाओं की नौकरी मिलने का प्रतिशत 0.01 परसेंट है। इसी तरह 12वीं के बाद उच्च शिक्षित युवाओं जिन्होंने स्नातक और परास्नातक की डिग्री ले ली है। वह भी बेरोजगार होकर घूम रहे हैं। सारे देश में स्नातक एवं परास्नातक कोर्स करने वाले युवाओं की संख्या प्र तिवर्ष करोणों में है। उनकी नौकरी का प्रतिशत भी लगभग लगभग 0.01 फ़ीसदी ही है। वर्तमान में लगभग 15 करोड़ युवा शिक्षित बेरोजगार और नौकरी से मैहरूम है। लगभग इतनी ही आबादी पढ़े-लिखे युवाओं की है। उन्हें डिग्री तो उपलब्ध हो गई है, लेकिन रोजगार और नौकरी मिल रही नहीं है। इतने बड़े पैमाने पर युवा शक्ति खाली बैठी हुई है, जिसके कारण आवारागर्दी और अपराध दिनोंदिन बढ़ते ही जा रहे हैं। पिछले तीन-चार वर्षो में आत्महत्या करने वाले यावाओं की संख्या बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। इसमें बेरोजगार युवाओं की संख्या भी बहुत पड़ी है। सरकार ने शिक्षा और प्रशिक्षण का जो मॉडल बनाया है, वह रोजगार और नौकरी के लिये सही नहीं है। जिसके कारण बेरोजगारी बढ़ती ही जा रही है। स्नातक एवं परास्थानक तक शिक्षित युवओं को 10 से 15 हजार रुपये की नौकरी भी निजी अथवा सरकारी स्तर पर उपलब्ध नहीं हो रही है। केन्द्र एवं राज्य सरकारों के 1 करोण से ज्यादा स्वीकृत पद वर्षो से खाली पड़े हुए हैं। सं विदा में सरकारें 8 से 15 हजार रुपये तक की नौकरी दे रही है। यह नौकरी कितने दिन रहेगी यह भी युवाओं को पता नहीं है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 15 (3) और 39 के तहत यह जवाबदारी सरकार की है। सरकार ऐसी नीतियां बनाए, जिससे लोगों को रोजगार अथवा नौकरी प्राप्त हो। समय रहते केंद्र एवं राज्य सरकारों ने विशेष रूप से शिक्षा पद्धति का जो मॉडल बनाया है। यदि वह ठीक नहीं किया तो इतनी बड़ी युवा शक्ति को संभालना किसी के बस की बात नहीं होगी। भूखे भजन न होय गोपाला की तर्ज पर जब युवा के पास कोई काम नहीं होगा, तो वह किस तरह की प्रतिक्रिया देगा, यह सरकार को सोचना चाहिए।

कैंडी ने दी पानी बचाने की सीख

कैंडी कौवी बहुत नटखट थी। वह अपनी दादी रीवा की लाडली थी। उसे दादी से कहानी सुनना बहुत पसंद था। एक दिन दादी उसे अपने पुरखों की कहानी सुनाते हुए बोलीं, 'बेटी, बहुत पहले की बात है। एक कौवा प्यासा होने पर पानी की तलाश में घूम रहा था। तभी उसे एक घड़ा नजर आया। उसने झांककर देखा, तो उसमें पानी था, लेकिन काफी कम था। यह देखकर उसने पानी में कुछ कंकड़-पत्थर डाले जिससे पानी ऊपर आ गया और उसने अपनी प्यास बुझाई।' कहानी सुनकर कैंडी बोली, 'दादी, इतने सारे पत्थर डालते-डालते तो वह कौवा बहुत थक गया होगा।' दादी बोलीं, 'बेटी, लेकिन उसने अपनी प्यास तो बुझा ली न! हमारे सामने कभी ऐसी समस्या आती है, तो हम भी इसी तरीके से अपनी प्यास तो बुझा सकते हैं।'

कैंडी बोली, 'दादी, आप तो अब भी पुराने जमाने की ही बातें करती हैं। हम आखिर कब तक पानी में कंकड़-पत्थर डाल कर अपनी प्यास बुझाते रहेंगे? अब समय आ गया है कि कोई नया तरीका सोचा जाए, जिसमें ज्यादा समय और मेहनत भी न लगे और हम पानी भी पी लें।' उसकी बातें सुनकर दादी के चेहरे पर मुस्कुराहट आ गई। वह बोलीं, 'चलो, देखती हूं कि क्या तुम कभी ऐसा कोई नायाब तरीका सोच पाओगी? खैर, अभी तो हमें पानी की कोई परेशानी नहीं है। नंदनवन में चारों ओर हरियाली है। यहां के तालाब साफ-स्वच्छ पानी से हमेशा भरे रहते हैं।'

कैंडी बोली, 'दादी, नंदनवन में तो सब ठीक है, पर पता है, आजकल इनसानों की बस्ती में पानी की बहुत कमी हो गई है। हमारी साइंस की मैडम पिंटी कौवी हमें कल बता रही थीं कि गर्मी के मौसम में इंसानों को पीने का पानी भी नहीं मिल पा रहा है। बहुत सारे इंसान तो पानी के लिए आपस में लड़ाई भी कर रहे हैं।' कैंडी की बातें सुनकर दादी परेशान हो गईं। वह बोलीं, 'हां कैंडी, मैंने कल टीवी में भी ऐसा ही कुछ देखा था। इंसानों की बस्ती में तो बहुत बुरा हाल होगा।'

दादी की बात सुनकर कैंडी उत्सुकता से बोली, 'दादी, नंदनवन से इंसानों की बस्ती कितनी दूर होगी?' दादी बोलीं, 'ज्यादा दूर नहीं है। पर तुम यह क्यों पूछ रही हो?'

कैंडी बोली, 'मेरी प्यारी दादी, कल संडे है। कल तुम मुझे घुमाने के लिए इनसानों की बस्ती की ओर ले चलो न!' दादी बोलीं, 'कैंडी, तुम समझदार और होशियार हो। लेकिन इसका यह मतलब कतई नहीं है कि तुम कृष या डोरेमॉन की तरह लोगों की समस्याएं सुलझा सकती हो।'

दादी की बातें सुनकर कैंडी मुंह बनाते हुए बोली, 'दादी, प्लीज चलो न। अगर आप मेरे साथ चलोगी तो मम्मी-पापा भी कुछ नहीं कहेंगे। अकेले मुझे वो जाने नहीं देंगे।' दादी बोलीं, 'बेटी, मैं बूढ़ी हो गई हूं, अब इतनी दूर मुझसे नहीं उड़ा जाता।' कैंडी बोली, 'अरे दादीज़ब कैंडी है तो सुंदर एंडी है यानी कि हर चीज का सुंदर एंड होगा। अब आप मेरे साथ चल रही हो, बस।'

अगले दिन खाना खाने और पानी पीने के बाद दादी कैंडी के साथ इनसानों की बस्ती की ओर चल पड़ीं। दोनों उड़ते-उड़ते दिल्ली पहुंचीं। दादी बहुत थक गई थीं। वे जिस बस्ती में उतरीं, वहां पानी की बहुत किल्लत थी। बस्ती में सफाई न होने के कारण बदबू आ रही थी। यह देखकर कैंडी बोली, 'उफ दादी, यहां से जल्दी चलो। बदबू के कारण दम घुट रहा है।' वे दोनों वहां से उड़ते हुए एक स्वच्छ बस्ती की ओर गईं।

वहां उन्होंने देखा कि एक बच्चा सार्वजनिक नल पर हाथ धोने आया और नल खुला छोड़ गया। यह देखकर कैंडी तुरंत नल के पास गई और अपनी चोंच से उसे बंद करने लगी। यह देखकर वहां मौजूद लोगों ने कैंडी के नल बंद करते हुए सीन का वीडियो बना लिया। एक इंसान बोला, 'यार, हम लोग आए दिन पानी बरबाद करते हैं। हमसे बेहतर तो ये पक्षी हैं, जो पानी की कीमत समझते हैं।' यह सुनकर सब कैंडी को प्रशंसा की नजरों से देखने लगे।

नल बंद करके कैंडी दादी के पास पहुंची। दादी को कहीं से एक ब्रेड का पीस मिल गया था। दोनों ने उसे खाया। कैंडी बोली, 'दादी, यहां तो लोग सचमुच पानी की कीमत नहीं समझते। जिन्हें पानी आराम से मिल रहा है, वे उसे बरबाद कर रहे हैं।' दादी बोलीं, 'कैंडी, तुम सही कह रही हो। पता है, जब तुम नल बंद कर रही थीं, तो कई लोग तुम्हारी फोटो खींच रहे थे।' कैंडी बोली, 'हां दादी, मैंने देखा था। शायद उन्होंने मेरा वीडियो भी बनाया था।' दादी बोलीं, 'अब बोलो, अभी और कहीं चलना है?' कैंडी बोली, 'दादी, अब हम वापस अपने नंदनवन चलते हैं।' इसके बाद वे दोनों नंदनवन की ओर उड़ चलीं। गर्मी तेज थी, इसलिए कैंडी की दादी उड़ते-उड़ते थक गईं। वह बोलीं, 'बेटी, चलो कहीं चलकर पानी पिएं। मुझे बहुत प्यास लग रही है।' कैंडी दादी के लिए पानी ढूंढ़ने लगी। लेकिन वहां तो कहीं दूर-दूर तक पानी नजर नहीं आ रहा था। ऐसे में कैंडी ने दादी को एक ओर बैठाया और पानी तलाश करने लगी।

काफी ढूंढ़ने के बाद उसे एक घड़ा नजर आया। उसने घड़े में झांककर देखा तो उसे अपने पूर्वजों की याद आ गई। घड़े में पानी बहुत कम था। कैंडी ने पानी तक पहुंचने की बहुत कोशिश की, लेकिन असफल रही। तभी उसकी नजर कुछ दूरी पर पड़े एक प्लास्टिक के स्ट्रॉ पर पड़ी जिसे देखकर उसके दिमाग में एक आइडिया आया। उसने फटाफट वह स्ट्रॉ उठाया और घड़े के पास रख दिया। इसके बाद वह अपनी दादी को अपने साथ वहीं ले आई। फिर उसने उस स्ट्रॉ के एक सिरे को घड़े के अंदर डाला और दूसरे सिरे को अपने पंजों से पकड़ लिया। दादी ने उस पतले स्ट्रॉ से उसी तरह पानी पी लिया जैसे इंसानों के बच्चे स्ट्रॉ से कोल्ड ड्रिंक पीते हैं। फिर कैंडी ने भी इसी तरह पानी पिया। दोनों खुशी-खुशी घर की ओर लौट चलीं। दादी बोलीं, 'कैंडी, आखिर तूने नए जमाने के हिसाब से पानी पीने का नया जुगाड़ कर ही दिया।'

घर पहुंचने पर उन्होंने देखा कि नंदनवन के सारे पशु-पक्षी कैंडी और दादी के स्वागत के लिए खड़े हैं। कैंडी ने हैरानी से अपनी मां से इसका कारण पूछा तो वह बोलीं, 'आज टीवी पर सुबह से बस एक ही न्यूज आ रही है कि कौवे ने इनसानों को पानी बचाने की सीख दी। उसमें दिखाए जा रहे वीडियो में तुम नल बंद करती हुई नजर आ रही हो।' यह सुनकर दादी कैंडी को गले लगाते हुए बोलीं, 'वाह कैंडी, तुम तो हमारे पुरखों से दस कदम आगे निकल गईं। तुमने इनसानों को पानी बचाने की सीख तो दी ही है, साथ ही घड़े से पानी पीने की नई तरकीब भी ढूंढ़ी है।' दादी की बातें सुनकर सभी ने कैंडी को कंधों पर उठा लिया और नंदनवन में जश्न की तैयारियां होने लगीं।

टी बैग पर कलाकारी

न्यूयॉर्क में रहने वाली चित्रकार रूबी सिल्वियस ने बेकार टी बैग का फिर से इस्तेमाल करने का एक निराला तरीका तब निकाला, जब उन्होंने इस्तेमाल की गई गीली टी बैग को चित्रकारी करने के लिए एक कैनवास के रूप में देखा। उन्हें दूसरे लोगों से कुछ हटकर करना था, जिससे उन्हें अलग पहचान मिले। इसलिए बेकार टी बैग्स को अलग तरीके से अपनी चित्रकारी में ढालने के लिए उन्होंने यह अनूठा तरीका निकाला।

2015 में हुई इस अनूठी कला की शुरुआत

बेकार टी बैग को दोबारा इस्तेमाल करने का कमाल का विचार उन्हें वर्ष 2015 में आया था। उसी साल रूबी ने मात्र दो दिन की छुट्टी ले कर बाकि 363 दिन बिना रूके इस चित्रकारी को पूरा किया। इस कला को रूबी ने '363 दिन टी बैग'का नाम दिया है। इस कला को आगे जाकर रूबी ने सोशल मीडिया के जरिए लोगों तक पहुंचाया, जिसे देख हर कोई हैरान रह गया।

दाग लगे टी बैग्स ही उनकी पहचान बने

जब रूबी की इस अनोखी कला के बारे में उनके परिजनों और दोस्तों ने जाना तो उन्होंने अपने इस्तेमाल हुए टी बैग को रूबी को देना शुरू किया। उन्होंने इन टी बैग्स के साथ कई प्रेरणात्मक संदेश भी लिख भेजे, ताकि रूबी अपने मुकाम को पा सकें। इन टी बैग्स का इस्तेमाल करते वक्त रूबी ने उन पर लगे दाग और फटे टुकड़ों को ही अपनी कला का बेस बना लिया, जिससे टी बैग्स पर की गई उनकी चित्रकारी को अलग पहचान मिली।

कई शहरों में लगी प्रदर्शनी

आज रूबी की इस कला को तीन साल हो गए हैं। उनकी इस अनोखी कलाकारी की कई अन्य शहरों में प्रदर्शनी भी लगी हैं। उनकी सबसे बड़ी प्रदर्शनी 26 दिन की थी, जो जापान में लगी थी, जिसका नाम '26 दिन टी बैग' रखा गया। यह प्रदर्शनी साल 2016 में लगाई गई थी। इसमें रूबी ने वॉटर कलर, दवात, गौचे और कटे हुए ऑर्गेमी पेपर का इस्तेमाल किया था।

इसके साथ ही रूबी ने अपना ज्यादा से ज्यादा समय दूसरे कलाकारों के बीच गुजारा, ताकि अपनी आर्ट के लिए उन्हें और भी अलग-अलग विचार मिल सकें। वहीं उन्होंने चित्रकारी करने के लिए किसी प्राकृतिक जगह का चुनाव भी किया। फ्रांस में भी '26 दिन टी बैग' प्रदर्शनी 2017 में लगाई गई थी, जिसे देखने दुनिया के कई अलग-अलग शहरों से लोग पहुंचे थे।

रूबी को नवाजे गए कई अवॉर्ड्स

रूबी अपनी कला में माहिर हैं। इसका अंदाजा तुम इसी बात से लगा सकते हो कि वह रोजमर्रा की चीजें, जैसे टी पॉट, शर्ट, छतरी, मग, पालतू जानवरों और गलियों व सड़कों को टी बैग पर कला के रूप में उतारती रहती हैं। उनकी इस कला के लिए उन्हें कई अवॉर्ड्स से भी नवाजा गया है।

सांप उतार सकता है केंचुली

हर जीव की त्वचा मृत होकर अपने आप किसी-किसी स्थान से उतरती रहती है। मगर सांप अपनी त्वचा के खराब होने पर इसे साल में तीन से चार बार उतारता है, जिसे केंचुली उतारना कहते हैं। अजगर साल में एक बार ही केंचुली बदलता है। केंचुली उतारने के बाद सांप की त्वचा की सफाई हो जाती है। किसी प्रकार का संक्रमण हो, तो वह भी ठीक हो जाता है। नई त्वचा काफी चिकनी और चमकदार आती है। केंचुली बदल जाने के बाद सांप काफी चुस्त और आकर्षक दिखता है। त्वचा में कुछ भी खराबी होने पर सांप एकांत स्थान पर चला जाता है। खाना भी छोड़ देता है। फिर वह बहुत कष्टकारी प्रक्रिया से गुजरता है। उसके मुंह के पास की त्वचा कुछ ढीली होती है। जबड़े के पास किसी पत्थर आदि से रगड़कर चीरा लगाता है। फिर पेड़, पत्थर, कांटों आदि से शरीर रगड़-रगड़कर पूरे शरीर की केंचुली उतार देता है। यह जादू केवल वही कर सकता है, हम नहीं।

सबसे छोटा राज्य

क्षेत्रफल के हिसाब से भारत का सबसे छोटा राज्य है गोवा। इसका कुल क्षेत्रफल केवल 3,702 वर्ग किलोमीटर है। भारत जब आजाद हुआ था, तब गोवा पर पुर्तगाल का कब्जा था। सन 1961 में भारत ने पुर्तगाल को खदेड़कर गोवा को अपना हिस्सा बनाया। तब गोवा एक केंद्र शासित प्रदेश बना था। 30 मई, 1987 को गोवा भारत का 25वां राज्य बना। गोवा अपने खूबसूरत समुद्री किनारों के लिए प्रसिद्ध है। पूरी दुनिया से पर्यटक यहां छुट्टी मनाने आते हैं।

वॉलमार्ट सैकड़ों कर्मचारियों की छंटनी करेगी

सैन फ्रांसिस्को । रिटेल की दिग्गज कंपनी वॉलमार्ट ग्राहकों की भविष्य की जरूरतों के लिए बेहतर तैयारी करने के लिए स्टाफिंग में समायोजन के हिस्से के रूप में अमेरिका भर में अपनी ई-कॉमर्स सुविधाओं में सैकड़ों कर्मचारियों की छंटनी कर रही है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार वॉलमार्ट अपने कार्यबल को कम कर रहा है क्योंकि कई खुदरा विक्रेता मोटे तौर पर सपाट या घटती बिक्री की योजना बना रहे हैं। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि यह फैसला हल्के में नहीं लिया गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक वॉलमार्ट की दक्षिणी न्यू जर्सी सुविधा में लगभग 200 कर्मचारी प्रभावित होंगे। वॉलमार्ट के प्रतिद्वंद्वी अमेजन ने दो राउंड में 27,000 नौकरियों को घटा दिया है और अगले तीन वर्षों में कुल लागत में 3 अरब डॉलर तक कटौती करने के लिए एक अन्य खुदरा प्रमुख लक्ष्य योजना बनाई है। वॉलमार्ट को आने वाले वित्तीय वर्ष में धीमी बिक्री वृद्धि और कम मुनाफे की उम्मीद है। कंपनी ने पिछले महीने कहा था कि उसे उम्मीद है कि ईंधन को छोड़कर उसके अमेरिकी कारोबार की सेम-स्टोर बिक्री 2-2.5 फीसदी के बीच बढ़ेगी। हालांकि महामारी के चरम के दौरान की तुलना में धीमी गति से ऑनलाइन बिक्री में वृद्धि जारी है। अपनी चौथी तिमाही में, वॉलमार्ट ने स्टोर और ई-कॉमर्स में मजबूती के साथ वैश्विक स्तर पर मजबूत राजस्व वृद्धि दर्ज की। कुल राजस्व 164 अरब डॉलर था, जो 7.3 प्रतिशत अधिक था।

शेयर बाजार में 1 अप्रैल से व्यापार करना होगा महंगा

नई दिल्ली । शेयर बाजार में अब कारोबो रियों के लिए फ्यूचर्स और ऑप्शन में व्यापार करना महंगा होने वाला है क्योंकि सरकार ने वित्तीय बिल 2023 में फ्यूचर्स और विकल्प की बिक्री पर लगने वाले सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) को बढ़ा दिया है। इसके बाद कारोबो रियो के लिए शेयर बाजार में फ्यूचर्स और ऑप्शन बेचना महंगा हो जाएगा।` वित्तीय बिल 2023 में सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स 0.05 प्रतिशत से बढ़ाकर 0.062 प्रतिशत कर दिया गया है। इस तरह एसटीटी में 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। यानी` कि 100 रुपए पर 5 पैसे लगने वाला एसटीटी पर 6.2 पैसे लगेगा। उदाहरण के लिए अगर किसी ट्रेडर का फ्यूचर्स और ऑप्शन का टर्नओवर एक करोड़ रुपए है, तो उसे 5,000 रुपए की जगह 6,250 रुपए एसटीटी चुकानी होगी। वित्तीय बिल 2023 बुधवार को लोकसभा में पेश किया गया था। इस बिल के तहत होने वाले बदलाव एक अप्रैल से लागू हो जाएंगे। आने वाले महीने से कारोबो रियों को 0.05 प्रतिशत की जगह 0.625 प्रतिशत एसटीटी चुकानी होगी।

क्रिप्टो एक्सचेंज बाइनेंस ने सभी स्पॉट ट्रेडिंग को निलंबित किया

सैन फ्रांसिस्को । प्रमुख ब्लॉकचैन और क्रिप्टोक्यूरेंसी प्लेटफॉर्म बाइनेंस ने घोषणा की कि उसने अपने प्लेटफॉर्म पर सभी स्पॉट ट्रेडिंग को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है क्योंकि यह किसी मुद्दे को हल करने के लिए काम कर रहा है। कंपनी ने ट्वीट किया` कि हम बाइनेंस पर स्पॉट ट्रेडिंग को प्रभावित करने वाले एक मुद्दे से अवगत हैं। सभी स्पॉट ट्रेडिंग वर्तमान में अस्थायी रूप से निलंबित हैं क्योंकि हम इसे जल्द से जल्द हल करने के लिए काम कर रहे हैं। नए अपडेट यहां साझा किए जाएंगे। इसके अलावा बाइनेंस के सीईओ, चांगपेंग झाओ ने अपने ट्विटर अकाउंट से एक अपडेट साझा करते हुए कहा कि क्रिप्टो एक्सचेंज को ट्रेलिंग स्टॉप ऑर्डर पर एक बग का सामना करना पड़ा। झाओ ने ट्वीट किया, प्रारंभिक विश्लेषण से संकेत मिलता है कि मैचिंग इंजन को ट्रेलिंग स्टॉप ऑर्डर पर बग का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा ठीक हो रहा है। जमा और निकासी को एसओपी (मानक संचालन प्रक्रिया) के रूप में रोक दिया गया है। बाइनेंस सभी क्रिप्टो स्पॉट वॉल्यूम के 60 प्रतिशत से अधिक का आदेश देता है। एक शोध के अनुसार दुनिया के सबसे बड़े क्रिप्टो एक्सचेंज ने शून्य कमीशन की वजह से हाल की तिमाहियों में बिटकॉइन स्पॉट वॉल्यूम का अपना बाजार हिस्सा 90 प्रतिशत से अधिक बढ़ा दिया है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 572.801 अरब डॉलर

मुंबई ।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 17 मार्च को समाप्त सप्ताह में 12.798 अरब डॉलर बढ़कर 572.801 अरब डॉलर पहुंच गया। इससे पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 2.39 अरब डॉलर घटकर तीन माह के निचले स्तर 560.003 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। इससे पहले अक्टूबर 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब अमेरिकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। वैश्विक घटनाक्रमों के बीच केंद्रीय बैंक के रुपए की विनियम दर में तेज गिरावट को रोकने के लिए मुद्रा भंडार का उपयोग करने की वजह से बाद में इसमें गिरावट देखी जा रही है। भारतीय रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार, 17 मार्च को समाप्त हुए सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा, विदेशी मुद्रा आस्तियां 10.485 अरब डॉलर बढ़कर 505.348 अरब डॉलर हो गई। डॉलर में अभिव्यक्त किए की जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पाउंड और येन जैसे गैर-अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। रिजर्व बैंक ने कहा कि स्वर्ण भंडार का मूल्य आलोच्य सप्ताह में 2.187 अरब डॉलर बढ़कर 44.109 अरब डॉलर हो गया। आंकड़ों के अनुसार विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) भी 9.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.219 अरब डॉलर हो गया। समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में रखा देश का मुद्रा भंडार भी 2.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 5.125 अरब डॉलर हो गया।

नेक्सा वाहन उद्योग का दूसरा सबसे बड़ा ब्रांड बनेगा

मुंबई ।

मारुति सुजुकी इंडिया अपने नेक्सा के खुदरा आउटलेट के द्वारा पेश महंगे वाहनों की बिक्री अगले साल तक हुंदै और टाटा मोटर्स के महंगे वाहनों की कुल बिक्री से अधिक करने का लक्ष्य लेकर चल रही है। कंपनी के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने यह बात कही। मारुति सुजुकी के महंगे वाहनों की बिक्री के लिए नेक्सा की खुदरा श्रृंखला 2015 में शुरू हुई थी। अब इसकी कुल बिक्री 20 लाख इकाई के पार चली गई है। मौजूदा दौर में इसके तहत बलेनो, इग्निस, सियाज, एक्सएल6 और ग्रांड विटारा जैसी गाड़ियों की बिक्री होती है। आगामी एसयूवी फ्रॉन्क्स और जिमनी की पेशकश भी इसी श्रृंखला के तहत होगी। कंपनी को उम्मीद है कि 2023-24 में उसके यात्री वाहनों की बिक्री पांच से 7.5 प्रतिशत तक बढ़ेगी।कंपनी के अधिकारी ने कहा, नेक्सा में 20 लाख इकाई का आंकड़ा पार कर लिया है। पहली 10 लाख गाड़ियां 4 साल में और अगली 10 लाख 3 वर्षों में बिकीं। नेक्सा का उद्योग में चौथा स्थान है, हमें उम्मीद है कि अगले वर्ष तक यह वाहन उद्योग का दूसरा सबसे बड़ा ब्रांड बनेगा। उन्होंने उम्मीद जाहिर की कि चालू वित्त वर्ष में नेक्सा की 3.7 लाख इकाइयां बिक सकती हैं, जबकि पिछले वर्ष का बिक्री आंकड़ा 2.55 लाख इकाई है।

अमेरिकियों ने बैंकों से निकाले 100 बिलियन डॉलर

मुंबई । सिलिकॉन वैली बैंक (एसवीबी) और सिग्नेचर की नाकामी के बाद अमेरिकियों ने अपने बैंक खातों से करीब 100 बिलियन डॉलर की निकासी की है। हालांकि अमेरिकी नियामकों द्वारा जनता को भरोसा दिलाया गया कि बैंकिंग प्रणाली सुरक्षित है। फेडरल रिजर्व के अधिकारियों की तरफ से बैंकिंग सेक्टर में संभावित तरलता संकट पर निवेशकों को आश्वासन देने के बाद शुक्रवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। हालांकि 24 मार्च को खत्म हुआ हफ्ता अमेरिकी बाजारों के लिए काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। कल के कारोबारी सत्र के शुरुआत में अमेरिका के तीनों अहम इंडेक्स की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई थी। यूरोपियन बैंकों में आई बिकवाली का असर इन पर देखने को मिला था। हालांकि क्लोजिंग बेल के बजने तक इस सारी गिरावट की भरपाई हो गई। फेड की तरफ से ब्याज दरों में बढ़त और बैंकिंग सिस्टम के स्वास्थ्य को लेकर बढ़ती चिंताओं की वजह से ये पूरा हफ्ता काफी उतार-चढ़ाव वाला रहा लेकिन अच्छी बात ये रही कि तीनों सूचकांकों ने हफ्ते का समापन साप्ताहिक आधार पर बढ़त के साथ किया। न्यूयॉर्क में जेपी मॉर्गन प्राइवेट बैंक के मैनेजिंग डायरेक्टर डेविड कार्टर का कहना है कि अमेरिका या विदेशों में एक और बैंकिंग संकट भड़कने के डर के कारण इक्विटी बाजारों में तेज उठापटक देखने को मिली। वॉल स्ट्रीट अब ब्याज दरों और बैंकिंग नियमों से संबंधित खबरों के लिए वाशिंगटन और दूसरी राजधानियों पर अपनी नजरें गड़ाए हुए है। इस बीच तीन रीजनल फेड बैंक प्रेसीडेंट्स ने अपने बयान में कहा है कि उनका विश्वास है कि बैंकिंग प्रणाली के सामाना तरलता का कोई संकट नहीं है।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) लगातार तीसरे सप्ताह शेयर बाजार में गिरावट रही

मुंबई ।

वैश्विक बाजारों से मिलेजुले संकेतों, यूएस फेड और बैंक ऑफ इंग्लैंड द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी, विदेशी निवेशकों की बिकवाली और यूएस बैंक संकट के चलते 24 मार्च को बाजार लगातार तीसरे सप्ताह गिरावट के साथ बंद हुआ। इस बीच कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और डीआईआई की खरीदारी ने बाजार को निचले स्तर पर सहारा दिया लेकिन बाजार बीते सप्ताह गिरावट पर बंद हुआ। बीते सप्ताह पांच कारोबारी दिनों में से शेयर बाजार में सप्ताह में तीन दिन गिरावट और दो दिन बढ़त रही। बीते पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को सेंसेक्स 453.46 अंकों की गिरावट के साथ 57,536.44 अंकों पर खुला और 360.95 अंकों की गिरावट के साथ 57,628.95 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 138.40 अंकों की गिरावट के साथ 16,961.65 पर खुला और 111.65 अंक फिसलकर 16,988.40 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 193.43 अंकों की बढ़त के साथ 57,822.38 पर खुला और 445.73 अंकों की बढ़त के साथ 58,074.68 पर बंद हुआ। निफ्टी 17,040.50 अंकों की बढ़त पर खुला और 119.10 अंक मजबूत होकर 17,107.50 पर बंद हुआ।

बुधवार को सेंसेक्स 344.1 अंकों बढ़त के साथ 58,418.78 पर खुला और 140 अंकों की तेजी के साथ 58215 पर बंद हुआ।

निफ्टी 99.75 अंक चढ़कर 17,207.25 पर खुला और 44 अंक मजबूत होकर 17152 पर बंद हुआ।

गुरुवार को सेंसेक्स 153 अंक की गिरावट के साथ 58,061 पर खुला और 289.31 अंक टूटकर 57,925.28 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 54 अंकों की गिरकर 17,097 पर खुला और 75.00 अंकों की गिरावट के साथ 17,076.90 पर बंद हुआ।

शुक्रवार को सेंसेक्स 48.56 अंकों की गिरावट के साथ 57,876.72 पर खुला और 398.18 अंक फिसलकर 57,527.10 पर बंद हुआ। निफ्टी 25.75 अंकों की गिरावट के साथ 17,051.15 पर खुला और 131.85 अंक टूटकर 16,945.05 पर बंद हुआ।

पेट्रोल और डीजल की कीमत स्थिर

- पोर्ट ब्लेयर में 84.10 और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर

नई दिल्ली ।

भारतीय ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 25 मार्च के लिए पेट्रोल और डीजल के भाव जारी कर दिए हैं, जिसमें कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। जहां एक तरफ देश के लगभग सभी शहरों में पेट्रोल के दाम आसमान छू रहे हैं वहीं दूसरी तरफ पोर्ट ब्लेयर में सबसे सस्ता पेट्रोल-डीजल बिक रहा है। यहां पेट्रोल की कीमत 84.10 रुपए प्रति लीटर और डीजल का भाव 79.74 रुपए प्रति लीटर है। चेन्ने नई, कोलकाता जैसे देश के चारों महानगरों में तेल के खुदरा दाम में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 96.20 रुपए और डीजल 84.26 रुपए प्रति लीटर. लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर. नोएडा में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.96 रुपए प्रति लीटर. जयपुर में पेट्रोल 108.48 रुपए और डीजल 93.72 रुपए प्रति लीटर. पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर, गुरुग्राम में 97.18 रुपए और डीजल 90.05 रुपए प्रति लीटर. भोपाल में 108.65 रुपए और डीजल 93.90 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है।

जर्मनी के ड्यूश बैंक के शेयरों में भारी गिरावट

मुंबई । अमेरिका में सिलिकॉन वैली बैंक के डूबने से शुरू हुआ बैंकिंग संकट क्रेडिट सुइस के रास्ते यूरोप पहुंच गया। अब इसके जर्मनी में भी दस्तक देने की संभावना है। जर्मनी के सबसे बड़े ड्यूश बैंक का स्टॉक प्राइस तब एक झटके में 15 प्रतिशत टूट गया, जब बैंक के ` निवेशकों ने इसमें बिकवाली शुरू कर दी। बैंक के शेयर प्राइस में लगातार तीसरे दिन गिरावट दर्ज की गई है। ड्यूश बैंक का शेयर प्राइस शुक्रवार को कारोबार के दौरान 15 प्रतिशत तक टूट गया। इसके बाद इसमें थोड़ा सुधार देखने को मिला लेकिन कारोबार के ओ खिर में ये 8.53 प्रतिशत टूटकर 8.54 यूरो पर बंद हुआ। साल 2023 की शुरुआत से अब तक इसके शेयर भाव में 21.94 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है। जर्मनी की अर्थव्यवस्था में ड्यूश बैंक अहम भूमिका अदा करता है। ये एक मल्टीनेशनल बैंक है। कई सालों तक बैंक को छोटा और सुरक्षित बनाए रखने के बावजूद दुनियाभर के बाजारों में इसकी मौजूदगी है। ये मुख्य तौर पर कॉरपोरेट कर्ज के सेक्टर में काम करने वाला बैंक है। ड्यूश बैंक के शेयर में बिकवाली सिर्फ ग्लोबल इकोनॉमिक क्राइसिस और स्वास्थ्य` चिंता की वजह से नहीं हुई है बल्कि 2020 के मुकाबले क्रेडिट-डिफॉल्ट स्वैप बीमा की लागत कई गुना बढ़ने की वजह से निवेशकों के बीच बिकवाली की धारणा देखी जा रही है। क्रेडिट-डिफॉल्ट स्वैप, बीमा का ही एक प्रकार है जो किसी कंपनी के बांड होल्डर्स की उसके डिफॉल्ट के एवज में सुरक्षा करता है।

होंडा सिटी का फेसलिफ्ट मॉडल लॉन्च

-कंपनी ने चुन-चुनकर भर दिए फीचर्स

नई दिल्ली ।

ऑटोमोबाइल सेक्टर की होंडा कंपनी ने हाल ही में सिटी का फेसलिफ्ट मॉडल भी लॉन्च किया है। यह कंपनी की पॉपुलर कॉम्पैक्ट सेडान कार वर्ना का फेसलिफ्ट 2023 मॉडल होगा।

कोरियाई कार निर्माता ने पहले ही कॉम्पैक्ट सेडान के लिए बुकिंग शुरू कर दी है, जो सेगमेंट में होंडा सिटी, वोक्सवैगन वर्टस, स्कोडा स्लाविया और मारुति सुजुकी सियाज को टक्कर देगी। नई जनरेशन की हुंडई वर्ना मौजूदा मॉडल की तुलना में बड़ी, ज्यादा पावरफुल और कई सेगमेंट-फर्स्ट फीचर्स से लैस होगी। यह अपने सेगमेंट में एडीएएस टेक्नोलॉजी वाली दूसरी सेडान भी होगी। नई वर्ना एडवांस ड्राइवर असिस्ट सिस्टम से लैस होगी। कार निर्माता ने कहा है कि वर्ना 17 सुविधाओं के साथ लेवल 2 एडीएएस फंक्शंस से लैस होगी। इसमें शामिल की जाने वाली एडीएएस विशेषताएं वैसी ही हैं जैसी हुंडई पहले से ही नई पीढ़ी के टूकसन एसयूवी में देती रही है। इनमें फॉरवर्ड कोलिशन वार्निंग, ब्लाइंड स्पॉट मॉनिटरिंग, लेन कीप असिस्ट, लेन डिपार्चर वार्निंग, एडेप्टिव क्रूज कंट्रोल, रियर क्रॉस-ट्रैफिक अलर्ट, हाई बीम असिस्ट और ड्राइवर अटेंशन वॉर्निंग शामिल हैं। इस महीने की शुरुआत में लॉन्च हुई होंडा सिटी फेसलिफ्ट के बाद वर्ना एडीएएस तकनीक के साथ आने वाली भारत की दूसरी सेडान बन जाएगी। हुंडई वर्ना को 1.5-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन के साथ-साथ टर्बोचार्ज्ड इंजन साथ उतारा जाएगा। कार के टर्बोचार्ज्ड वेरिएंट में 7-स्पीड डीसीटी ट्रांसमिशन ऑप्शन के अलावा 6-स्पीड मैनुअल और सीवीटी गियरबॉक्स दोनों देखने को मिल जाएंगे।

खास बात ये है कि नई वर्ना 1,765 मिमी की चौड़ाई के साथ अपने सेगमेंट में सबसे चौड़ी सेडान होगी। 2,670 मिमी का इसका व्हीलबेस भी सेगमेंट में सबसे लंबा होने वाला है। इस हिसाब से आने वाली कार में पैसेंजर्स को बेहतर लेग रूम और स्पेस देखने को मिलेगा। स्टैंडर्ड तौर पर 1.5-लीटर इंजन 115पीएस की पावर और 144 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट कर सकता है, जबकि टर्बोचार्ज्ड इंजन 163पीएस की पावर और 253 एनएम का टॉर्क जनरेट करेगा। नई पीढ़ी की वर्ना 4,535 मिमी लंबी और 1,475 मिमी ऊंची होगी। हुंडई वर्ना में अब ज्यादा ऊंचे 15-इंच अलॉय व्हील्स भी दे सकती है।

ऊर्जा क्षेत्र में कोयले की मांग पूरी करने की तैयारी: कोल इंडिया

मुंबई ।

सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में आपूर्ति को प्रभावित करे बगैर धातु, सीमेंट जैसै गैर-नियमित क्षेत्र (एनआरएस) को अधिक मात्रा में कोयले की आपूर्ति करने के हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। उत्पादन में वृद्धि से इसमें मदद मिल रही है। कुछ दिन पहले इस महारत्न कंपनी ने कहा था कि गर्मियों का मौसम समयपूर्व आने और बिजली की औद्योगिक मांग में बढ़ोतरी के बीच वह ऊर्जा क्षेत्र में कोयले की मांग को पूरा करने की तैयारी कर रही है। कोल इंडिया लिमिटेड चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में गैर-नियमित क्षेत्र (एनआरएस) के ग्राहकों को कोयला आपूर्ति में 16.6 प्रतिशत वृद्धि के रास्ते पर है। कंपनी ने एक बयान में बताया कि इस तिमाही में अब तक एनआरएस ग्राहकों को कोयले की प्रतिदिन औसतन 3.67 लाख टन की आपूर्ति की गई है। चालू तिमाही में इस क्षेत्र को लगभग 3.3 करोड़ टन कोयला भेजा जाएगा जो तीसरी तिमाही की तुलना में 16.6 प्रतिशत और पिछले वर्ष की समान तिमाही के मुकाबले 10.4 प्रतिशत अधिक होगा। कोल इंडिया ने कहा कि जनवरी-मार्च तिमाही में एनआरएस को अधिक आपूर्ति कंपनी के पास भंडार अधिक होने के चलते की गई।

ऊर्जा कंपनियों को अधिक आपूर्ति के बावजूद मार्च में भी अब तक कंपनी के पास छह लाख टन प्रतिदिन का कोयला भंडार है। दिसंबर 2022 में खत्म तीसरी तिमाही में कोल इंडिया के पास 3.2 करोड़ टन का भंडार था जो 23 मार्च तक बढ़कर 6.3 करोड़ टन हो गया। चालू वित्त वर्ष के ओ खिर तक इसके और बढ़कर 6.8 करोड़ टन होने का अनुमान है।

आईपीएल से पहले जीओ ने लॉन्च किए 6 नए प्लान्स, फ्री मिलेगा डेटा वाउचर

नई दिल्ली ।

आईपीएल यानी इंडियन प्रीमियर लीग शुरू होने वाली है। क्रिकेट के इस टूर्नामेंट को आप जीओ सिनेमा पर लाइव देख सकते हैं। आईपीएल का नया सीजन इस महीने के आखिर में शुरू होने वाला है और उससे पहले कंपनी ने नए प्लान्स का ऐलान कर दिया है। जीओ के नए ऑफर मौजूदा और नए दोनों कंज्यूमर्स के लिए है। जीओ क्रिकेट प्लांस की मदद से यूजर्स लाइव मैच देख सकते हैं। इसमें यूजर्स को विभिन्न कैमरा एंगल सेट करने की भी सुविधा मिलेगी। इस तरह से आप मल्टीपल कैमरा एंगल से 4के क्वालिटी में कंटेंट देख सकेंगे। जियो ने नए प्लान्स की जानकारी प्रेस रिलीज जारी करके दी है।

ये हैं जीओ के तीन नए प्लान

जियो ने तीन नए क्रिकेट प्लान लॉन्च किए हैं, जिसमें यूजर्स को डेली 3जीबी डेटा और एडिशन फ्री डेटा वाउचर की सुविधा मिल रही है।

आईपीएल की शुरुआत 31 मार्च को हो रही है। 999 रुपये के प्लान में यूजर्स को डेली 3 जीबी डेटा और अनलिमिटेड कॉलिंग की सुविधा मिलती है। साथ ही कंज्यूमर्स को 241 रुपये का वाउचर फ्री मिल रहा है, जिसमें यूजर्स को 40जीबी डेटा फ्री मिलेगा। इसकी वैलिडिटी 84 दिनों की है। वहीं 399 रुपये और 219 रुपये के प्लान में यूजर्स को डेली 3जीबी डेटा और अनलिमिटेड वॉयस कॉलिंग मिलती है। दोनों प्लान्स वैलिडिटी और वाउचर ऑफर के मामले में एक दूसरे से अलग हैं। 399 रुपये के प्लान में यूजर्स को 61 रुपये का वाउचर फ्री मिलता है, जो 6जीबी एडिशनल डेटा ऑफर करता है। इस प्लान की वैलिडिटी 28 दिनों की है। बात करें 219 रुपये की तो इसमें यूजर्स को 14 दिनों की वैलिडिटी मिलती है। इसके साथ यूजर्स को 2जीबी फ्री डेटा मिलता है। इसके अलावा कंपनी ने तीन नए डेटा ऐड-ऑन्स भी इंट्रोड्यूस किए हैं। जीओ 222 रुपये में 50 जीबी डेटा मिलता है। इसकी वैलिडिटी मौजूदा प्लान की वैधता तक रहेगी। वहीं 444 रुपये के डेटा वाउचर में यूजर्स को 100जीबी डेटा मिलता है, इसकी वैलिडिटी 60 दिनों की है। तीसरा प्लान 667 रुपये का है, जिसमें यूजर्स को 150जीबी डेटा मिलता है, इसकी वैलिडिटी 90 दिनों की है।

सरकार रसोई गैस सिलेंडर पर एक साल और देगी सब्सिडी

नई दिल्ली ।

सरकार ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के तहत 200 रुपए प्रति रसोई गैस सिलेंडर सब्सिडी एक साल के लिए बढ़ा दी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में पेट्रोलियम उत्पादों के दाम में वृद्धि के मद्देनजर यह कदम उठाया गया है। इस पहल से 9.6 करोड़ परिवार को लाभ होगा। सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने मीडिया से कहा कि मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने 200 रुपए प्रति रसोई गैस सिलेंडर की सब्सिडी पीएमयूवाई के लाभार्थियों को देने को मंजूरी दी है। यह सब्सिडी प्रतिवर्ष 14.2 किलो के 12 एलपीजी सिलेंडर के लिए दी जाएगी। एक मार्च, 2023 की स्थिति के अनुसार पीएमयूवाई के तहत 9.59 लाभार्थी थे। मंत्री ने कहा कि इससे 2022-23 में 6,100 करोड़ रुपए और 2023-24 में 7,680 करोड़ रुपए का खर्च आएगा। इसमें सब्सिडी सीधे पात्र लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा की जाती है। ठाकुर ने कहा कि विभिन्न अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों से एलपीजी की अंतरराष्ट्रीय कीमत तेजी से बढ़ी है।

ऐसे में उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को एलपीजी की ऊंची कीमतों से बचाना महत्वपूर्ण है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि पीएमयूवाई के तहत उपभोक्ताओं को सब्सिडी के रूप में समर्थन उन्हें एलपीजी के निरंतर उपयोग के लिए प्रोत्साहित करता है।

सनराइजर्स हैदराबाद 2023 आईपीएल में प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर सकती : चोपड़ा

मुंबई । भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने उस टीम का नाम लिया, जिस टीम को इस बार प्लेऑफ में जाना चाहिए। उन्हें भरोसा है कि सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 16वें संस्करण में प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर लेगी। आईपीएल 2023 31 मार्च को शुरू होगा। वहीं हैदराबाद राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में 2 अप्रैल को पिछले साल की उपविजेता राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपने 2023 आईपीएल अभियान की शुरुआत करेगी। 2016 के आईपीएल चैंपियन हैदराबाद के लिए पिछला सीजन बेहद खराब रहा था, लेकिन आगामी सीजन में एक शानदार टीम के साथ आ रहे हैं। उन्होंने फॉर्म में चल रहे एडन मार्करम को साइन किया है, वहीं दक्षिण अफ्रीकी स्टार को अपना नया कप्तान नियुक्त किया है। उन्होंने मयंक अग्रवाल, आदिल राशिद, हेनरिक क्लासेन और विवरांत शर्मा जैसे कई अन्य शानदार खिलाड़ियों को शामिल किया है। पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि सनराइजर्स हैदराबाद 2023 आईपीएल के लीग चरण के बाद शीर्ष चार में होगा, और यह माना कि मार्करम की कप्तानी ऑरेंज आर्मी के लिए एक बड़ा प्लस पॉइंट होगी। चोपड़ा ने कहा, इस टीम को इस बार क्वालीफाई करना चाहिए। मेरी राय में टीम हैदराबाद बिल्कुल शानदार दिख रही है।

मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच आज रोंमाचक होगा डब्ल्यूपीएल का फाइनल

दोनों ही टीमें फाइनल जीत की प्रबल दावेदार

समय : रविवार शाम 7.30 बजे

मुंबई ।

कप्तान हरमनप्रीत कौर की खराब फॉर्म के बावजूद मुंबई इंडियंस की टीम दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ रविवार को महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) फाइनल में खिताब जीतने के लिए अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ेगी। भारतीय कप्तान ने टूर्नामेंट के शुरू में तीन अर्धशतक जमाए थे, लेकिन वह अपनी इस फॉर्म को बरकरार नहीं रख सकी। उन्होंने यूपी वारियर्स के खिलाफ एलिमिनेटर में केवल 14 रन बनाए। इस मैच में नैट साइवर ब्रंट ने शुरू में मिले जीवनदान का फायदा उठाकर नाबाद 72 रन की पारी खेलकर अपनी टीम को फाइनल में पहुंचाया। मुंबई को फाइनल में यदि बड़ा स्कोर खड़ा करना है, तब हरमनप्रीत को अच्छी पारी खेलनी होगी, जबकि साइवर को भी अहम योगदान देना होगा। ऑस्ट्रेलिया की दिग्गज और दिल्ली की कप्तान मेग लैनिंग मुंबई की कप्तान की लचर फॉर्म का पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेगी। दिल्ली कैपिटल्स ने धीरे-धीरे लय हासिल करके मुंबई को अंक तालिका में शीर्ष से हटाया था। उसकी तरफ से बल्लेबाजी में अभी तक लैनिंग और दक्षिण अफ्रीका की ऑलराउंडर मारिजान कैप ने शानदार प्रदर्शन किया है। इसके बावजूद इन दोनों टीमों में से किसी को भी फाइनल में जीत का प्रबल दावेदार नहीं माना जा सकता है। दोनों टीमों के प्रदर्शन को देखकर खिताबी मुकाबला रोमांचक होने की संभावना है। लीग चरण में दिल्ली और मुंबई ने एक दूसरे के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज की थी। इन दोनों टीमों ने लीग चरण में समान 12 अंक हासिल किए थे लेकिन दिल्ली की टीम बेहतर रन रेट के आधार पर चोटी पर रही। फाइनल ब्रेबोर्न स्टेडियम पर खेला जाएगा जिसमें मुंबई में अभी तक अपने तीनों मैच जीते हैं।

दिल्ली ने इस मैदान पर दो मैच जीते जबकि एक मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा। मुंबई की तरफ से अभी तक साइवर ब्रंट ने बल्लेबाजी और गेंदबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने अभी तक टूर्नामेंट में 272 रन बनाने के अलावा 10 विकेट भी लिए हैं। मुंबई के पास हेली मैथ्यूज के रूप में एक और उपयोगी ऑलराउंडर है, जिन्होंने अभी तक 258 रन बनाने के अलावा 13 विकेट भी लिए हैं।

इसके अलावा यास्तिका भाटिया ने बल्लेबाजी में आक्रामक रवैया दिखाया है। जहां तक मुंबई की गेंदबाजी का सवाल है, तब सैका इशाक ने 15 विकेट लेकर अपनी उपयोगिता साबित की है। इसके अलावा उसके पास इसाबेल वोंग (13 विकेट) और अमेलिया केर (12) जैसे उपयोगी गेंदबाज हैं। दिल्ली की कप्तान लैनिंग पहले डब्ल्यूपीएल का खिताब जीतकर अपने नाम पर एक और ट्रॉफी दर्ज करना चाहेंगी।

धोनी ने चार बार आईपीएल की ट्रॉफी जिताई

-धोनी की कप्तानी के कायल हुए गावस्कर

नई दिल्ली।

चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने सीएसके को अपनी कप्तानी में चार बार आईपीएल की चमचमाती ट्रॉफी जिताई है। चेन्नई ने अपना आखिरी आईपीएल खिताब साल 2021 में जीता था। लेकिन आईपीएल 2018 में जब चेन्नई ने इंडियन प्रीमियर लीग की ट्रॉफी उठाई थी तो वह सबसे ज्यादा खास रहा था। क्योंकि 2 साल के बैन के बाद चेन्नई ने टूर्नामेंट में वापसी किया था और आते के साथ ही बता दिया था कि उन्हें आईपीएल की सर्वश्रेष्ठ टीम क्यों कहा जाता है। ऐसे में अब भारतीय टीम के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने चेन्नई के 2018 के प्रदर्शन से प्रभावित होकर एमएस धोनी की जमकर सरहाना की है। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी की जमकर सरहाना की है। वह कैप्टन कूल एमएस धोनी द्वारा 2018 के आईपीएल में की गई कप्तानी से काफी ज्यादा इम्प्रेस हुए। सुनील गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर धोनी की कप्तानी को लेकर कहा, मुझे लगता है कि जब सीएसके ने वापसी की और ट्रॉफी जीती तो यह शानदार चीज थी क्योंकि टीम दो साल तक एक साथ नहीं थी और वे अलग फ्रेंचाइजी के साथ थे और अचानक उन्होंने फिर वापसी की। यह आपकी नेतृत्व काबिलियत के बारे में बताता है। आईपीएल 2023 का आगाज 31 मार्च शुक्रवार को होने वाला है। इंडियन प्रीमियर लीग के 16वें सीजन का पहला मुकाबला गत विजेता गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा।

महिला प्रीमियर लीग इतिहास की इस्सी वोंग हैट्रिक लेने वाली पहली खिलाड़ी

- उत्तर प्रदेश के खिलाफ हैट्रिक लेने वाली मुंबई की इस्सी वोंग बोली, काम पूरा नहीं हुआ

मुंबई । महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में यूपी वारियर्स पर 72 रन से जीत के बाद मुंबई इंडियंस की तेज गेंदबाज इस्सी वोंग ने कहा कि काम पूरा नहीं हुआ। इस्सी वोंग महिला प्रीमियर लीग इतिहास की हैट्रिक लेने वाली पहली खिलाड़ी हैं। नैट साइवर-ब्रंट के नाबाद 72 रन और इस्सी वोंग की हैट्रिक की मदद से मुंबई इंडियंस ने शुक्रवार को डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी में खेले गए एलिमिनेटर मैच में यूपी वारियर्स पर व्यापक जीत दर्ज की। अब 26 मार्च को मुंबई खिताब के लिए दिल्ली कैपिटल्स महिला से मुकाबला करेगी। वोंग ने मैच के बाद कहा कि नेट इसकी हकदार है, उसने एक साथ पारी को संभाला, उसने अच्छी बल्लेबाजी की और एक बड़े स्कोर में हमारी मदद की, इसलिए वह शायद इसकी हकदार थी। उन्होंने कहा` कि हम जानते थे कि अगर हम गेंद को देखते हैं, तो हम इसे स्विंग करवा सकते हैं। मैं सिर्फ स्टंप्स को हिट करने की कोशिश कर रही थी। पिछली बार सोफ बेहतर हो गई, मैं उसके स्थान पर नहीं उतरना चाहती थी। उसने कहा कि अच्छी गेंदबाजी की, वह एक अच्छी दोस्त है और वह एक गुणवत्ता वाली क्रिकेटर भी है। यह थोड़ा अधिक रोमांचक है क्योंकि आप एक दूसरे को अच्छी तरह से जानते हैं। काम पूरा नहीं हुआ। आप सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए प्रतियोगिताओं में प्रवेश नहीं करते हैं, आप उन्हें जीतने के लिए प्रवेश करते हैं।

यूपी वॉरियर्स की खिलाड़ियों की बखिया उधेड़ इस्सी ने डब्लूपीएल इतिहास की पहली हैट्रिक बनाई

नई दिल्ली ।

महिला प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस और यूपी वॉरियर्स के बीच एलिमिनेटर मुकाबले में दर्शकों ने टूर्नामेंट की पहली हैट्रिक का आनंद उठाया। मुंबई की तेज गेंदबाज इस्सी वोंग ने डब्लूपीएल इतिहास की पहली हैट्रिक हासिल की। वोंग मुंबई की ओर से 13वां ओवर डालने के लिए आई, उन्होंने ओवर की दूसरी ही गेंद पर यूपी की किरण नवगिरे को डीप मिड विकेट पर कैच आउट कराया। इसके बाद अगली गेंद पर उन्होंने सिमरन शेख को क्लीन बोल्ड किया और इसके बाद लगातार तीसरी गेंद पर यूपी की अगली बल्लेबाज सोफी एक्लेस्टोन को क्लीन बोल्ड करके डब्लूपीएल इतिहास की पहली हैट्रिक हासिल की। अंतर्राष्ट्रीय महिला क्रिकेट में इस्सी वोंग इंग्लैंड टीम की ओर से खेलती है। उन्होंने अभी तक इंग्लैंड के लिए ज्यादा क्रिकेट नहीं खेला है, लेकिन उन्होंने डब्लूपीएल में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। इंग्लैंड की ओर से उन्होंने 9 टी20, 3 वनडे मैच खेले हैं। टी20 में उनके नाम 7, जबकि वनडे में 4 विकेट दर्ज हैं। वोंग ने डब्लूपीएल में मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते हुए अपनी एक अलग छाप छोड़ी है। वह टीम की सबसे सफल गेंदबाज है, उन्होंने कुल 9 मैचों में 12 विकेट हासिल किए हैं। वहीं, उन्होंने डब्लूपीएल में पहली हैट्रिक का रिकॉर्ड भी अपने नाम दर्ज कर लिया है।

दरअसल मुंबई इंडियंस ने बल्लेबाज नेट साइवर ब्रंट और गेंदबाज इस्सी वोंग के जबरदस्त प्रदर्शन के चलते फाइनल में जगह बनाई है। एलिमिनेटर मुकाबले में मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नेट साइवर ब्रंट के 38 गेंदों में 72 नाबाद रनों की बदौलत 183 रनों का लक्ष्य रखा। इसके बाद इस्सी वोंग ने यूपी वॉरियर्स के बल्लेबाजों की बखिया उधेड़ दी। उन्होंने मैच में हैट्रिक लेते हुए कुल 4 विकेट चटकाए, जिसके चलते यूपी की पूरी टीम 17.4 ओवर में 110 रनों पर सिमट गई।

संक्षिप्त समाचार

वनडे सीरीज में सूर्यकुमार पूरी तरह से रहे फ्लॉप

-मिला दिग्गज भारतीय खिलाड़ी का साथ

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव वनडे में पूरी तरह से फ्लॉप रहे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच हाल ही में खेली गई 3 मैचों की वनडे सीरीज में यादव कुछ करिश्मा नहीं दिखा पाए थे। उन्होंने 3 मैचों की सीरीज में सिर्फ 3 गेंदें खेली। सूर्यकुमार तीनों मुकाबलों में पहली ही गेंद पर आउट हो गए। उनके लिए यह सीरीज किसी बुरे सपने से कम नहीं रहा। बता दें कि सूर्या को चोटिल श्रेयस अय्यर की जगह टीम में मौका दिया गया था जिसको बुनाने में वो पूरी तरह से नाकाम रहे। हालांकि इतने शर्मनाक प्रदर्शन के बाद भी सूर्यकुमार यादव को टीम इंडिया के पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह ने उन्हें बैक किया है। भरतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्टार ऑलराउंडर युवराज सिंह ने सूर्यकुमार यादव को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ निराशाजनक प्रदर्शन करने के बाद बैक किया है। उनका मानना है कि सूर्या जल्द ही चमकेंगे। युवी ने सोशल मीडिया के सबसे चर्चित प्लेटफॉर्म ट्विटर पर ट्वीट करते हुए सूर्यकुमार यादव को लेकर लिखा, हर खिलाड़ी अपने करियर में उतार-चढ़ाव से गुजरता है। हम सबने कभी न कभी इसका अनुभव किया है। मुझे विश्वास है कि सूर्या भारत के की प्लेयर हैं और वह विश्वकप (वनडे विश्वकप 2023) में टीम के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे अगर उन्हें मौका दिया जाएगा। आइए अपने खिलाड़ियों का समर्थन करें क्योंकि हमारा सूर्या फिर से चमकेगा। 32 वर्षीय सूर्यकुमार यादव ने अब तक भारत के लिए 48 टी20, 23 वनडे और 1 टेस्ट मैच खेला है। हालांकि सूर्या को सबसे ज्यादा सफलता टी20 फॉर्मेट में मिली है। उन्होंने 48 टी20 मुकाबलों में 175 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 1675 रन बनाए हैं जिसमें उनके बल्ले से 3 शतक और 13 अर्धशतक देखने को मिले हैं।

वॉर्नर अपने को साबित करने उतरेंगे : कोच

मुंबई । आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स के सहायक कोच शेन वाटसन ने कहा कि टीम के नए कप्तान डेविड वॉर्नर टूनामेंट में बेहतर बल्लेबाजी कर अपने को साबित करना चाहेंगे। वार्नर को नियमित कप्तान ऋषभ पंत के कार हादसे के कारण बाहर हो जाने से टीम की कप्तानी सौंपी गयी है। वार्नर पहले भी दिल्ली के कप्तान रहे हैं पर आईपीएल में कप्तान के तौर पर उन्हें सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से ही सफलता मिली थी। उनकी कप्तानी में सनराइजर्स ने साल 2016 में खिताब जीता था। वह 2022 सत्र में दिल्ली कैपिटल्स से जुड़े थे। वह विदेशी खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। हाल में इस खिलाड़ी का प्रदर्शन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अच्छा नहीं रहा है। भारत दौरे में वह टेस्ट में विफल रहे। इसके बाद एकदिवसीय सीरीज में भी वह बेहद कम रन बना पाये। वाटसन ने कहा, 'वॉर्नर मेरे लिये क्रम में शीर्ष पर हैं। वह अपने को साबित करना चाहेंगे। उन्होंने आईपीएल में हमेशा काफी रन बनाये हैं। वहीं वाटसन ने दक्षिण अफ्रीका के रिली रोसोऊ को दिल्ली कैपिटल्स के लिए इस सत्र के लिए 'ट्रंप कार्ड बताया।

गेंद लगने के बाद स्टंप्स के ऊपर ही टिकी रहीं बैल्स, फिन एलन को मिला हैरतअंगेज जीवनदान

किसी को नहीं हुआ भरोसा, एलन रहे नॉट आउट

ऑकलैंड ।

न्यूजीलैंड और श्रीलंका के बीच 3 मैचों की रोमांचक वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 25 मार्च शनिवार को ऑकलैंड में खेला जा रहा है। इस मुकाबले में मेहमान टीम श्रीलंका के कप्तान दासुन शनाका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। ऐसे में कीवी टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.3 ओवर में 274 रन बनाकर ऑल आउट हो गई।

वहीं न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के धाकड़ सलामी बल्लेबाज फिन एलन 9 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे। उस दौरान श्रीलंका के तेज-तर्रार गेंदबाज कसुन रजिथा की गेंद पर एलन पूरी तरह से गच्चा खा गए थे और बॉल सीधा उनके स्टंप पर जाकर लगी थी। गेंद ऑफ स्टंप पर तेजी के साथ लगी थी, जिसकी आवाज भी आई थी, लेकिन इसके बावजूद फिन एलन नॉट आउट रहे, क्योंकि गेंद लगने के बाद बैल्स स्टंप्स के ऊपर ही टिकी रहीं। यह देख मैदान हर कोई दंग रह गया। गेंदबाज रजिथा को भी कुछ देर के लिए भरोसा नहीं हुआ।

फिन एलन ने जड़ा एक दमदार अर्धशतक

पहले मैच में मिले जीवनदान को फिन एलन ने कबूल किया और एक दमदार अर्धशतक जड़ दिया। एलन ने 49 गेंदों पर 104 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 51 रन बनाए, जिसमें उनके बल्ले से 5 चौके और 2 गगनचुंबी छक्के भी देखने को मिले। इसके अलावा मध्य क्रम के बल्लेबाज डैरिल मिचेल ने भी 3 चौके और 2 छक्कों की मदद से 58 गेंद पर 47 रन की शानदार पारी खेली। वहीं विकेट कीपर बल्लेबाज ग्लेन फिलिप्स ने 39 और स्टार युवा ऑलराउंडर रचिन रविंद्र ने भी अच्छे 49 रन बनाए।

आईपीएल टीमों को अभी कोई विशेष निर्देश नहीं मिले: सीईओ धीरज मल्होत्रा

एनसीए ने खिलाड़ियों पर वर्कलोड रिपोर्ट नहीं की साझा

नई दिल्ली । बीसीसीआई और भारतीय टीम प्रबंधन राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों के वर्कलोड मैनेजमेंट पर नजर रखे हैं, लेकिन दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी धीरज मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीमों को अभी तक कोई भी विशेष निर्देश नहीं मिले हैं। सीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) के साथ महाप्रबंधक के तौर पर काम कर चुके मल्होत्रा ने कहा कि राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) ने संबंधित फ्रेंचाइजी से जुड़े सभी भारतीय खिलाड़ियों की एक विस्तृत कार्यभार निगरानी रिपोर्ट साझा की है। इससे निश्चित रूप से आईपीएल टीम की चिकित्सा इकाई को देश की मूल संस्था के साथ मिलकर काम करने में मदद मिलती है। मल्होत्रा ने मीडिया से कहा कि विश्व कप के संभावित खिलाड़ियों के वर्कलोड मैनेजमेंट के लिए कोई विशेष निर्देश नहीं मिला है। एनसीए ने सभी अनुबंधित खिलाड़ियों पर एक रिपोर्ट भेजी है। हमारे पास अक्षर, कुलदीप और पृथ्वी हैं। उन्होंने हमें रिपोर्ट में बताया है कि वे क्या कर रहे थे और उनका कार्यभार किस तरह का रहा है, लेकिन हमें अभी तक कोई निर्देश नहीं मिला है कि वे हमसे क्या चाहते हैं और खिलाड़ियों के लिये कार्यभार क्या होना चाहिए। पता चला है कि किसी भी फ्रेंचाइजी को भारत के खिलाड़ियों पर कोई निर्देश नहीं मिलेगा, जब तक कि कोई घायल न हो। फ्रेंचाइजी के एक कोच ने गोपनीयता की शर्त पर कहा कि मुझे एक बात बताइए, जस्सी (जसप्रीत बुमराह) की अनुपस्थिति में मोहम्मद शमी ही विश्व कप में जाने वाले तेज गेंदबाज हैं। अब अगर गुजरात टाइटन्स फिर से फाइनल खेलता है, तो उसे अधिकतम 64 ओवर (16 मैच) फेंकने पड़ सकते हैं। उन्होंने सवाल किया कि मान लीजिए कि एनसीए कहता है कि शमी को अधिकतम 40 ओवरों के लिए इस्तेमाल किया जाना चाहिए तो क्या गारंटी है कि उसकी मासपेशियों में खिंचाव नहीं आएगा। क्या आप इसे लिखित रूप में दे सकते हैं? अक्टूबर-नवंबर में होने वाले विश्व कप के लिए कोई भी निजी फ्रेंचाइजी को यह नहीं कह सकता है कि खिलाड़ियों को करोड़ों का भुगतान करने के बाद इतना प्रतिशत ही खिलाया जाए। कप्तान रोहित शर्मा ने हाल ही में कहा था कि यह एक खिलाड़ी पर निर्भर करेगा कि वह ब्रेक चाहता है या नहीं।

युवा खिलाड़ियों को अच्छा इंसान बनाना भी मेरा लक्ष्य : पोंटिंग

नई दिल्ली । दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच पोंटिंग रिकी पोंटिंग ने कहा है कि है उनका लक्ष्य इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान युवा खिलाड़ियों को अच्छा क्रिकेटर बनाने के साथ अच्छा इंसान बनाना भी रहेगा। पोंटिंग ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा, 'आप जितना अच्छा इंसान होंगे आपको उतना बेहतर खिलाड़ी बनने में आसानी होगी। अगर आपकी निजी जिंदगी ही अनुशासित नहीं है तो आपके लिए मैदान पर अच्छा प्रदर्शन करने वाला खिलाड़ी बनना कठिन होगा। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान पोंटिंग के अनुसार आईपीएल में एक अच्छी पारी खेलने से युवा खिलाड़ियों का ध्यान लक्ष्य से दूर भी हो सकता है। पोंटिंग ने कहा, 'यह हमारे देश से काफी अलग क्योंकि आईपीएल में कई युवा खिलाड़ियों को मौका मिलता है जो हो सकता है कि उसके लिए तैयार भी नहीं हों। मेरे कहने का मतलब है भले ही वे क्रिकेट के लिए तैयार हों पर उससे जुड़ी अन्य चीजों (अचानक मिले पैसे और लोकप्रियता) के लिए तैयार न हों। जब मैं अपने करियर पर गौर करता हूं तो मेरे साथ भी ऐसा ही हुआ था।

केकेआर के ऑल राउंडर आंद्रे रसेल फिर गरजने को तैयार

केकेआर 1 अप्रैल को मोहाली में पंजाब किंग्स के खिलाफ करेगी अभियान की शुरुआत

नई दिल्ली ।

कोलकाता नाइट राइडर्स के ऑल राउंडर आंद्रे रसेल आगामी सीजन में गरजने के लिए एक बार फिर से तैयार हैं। बीते दिनों आंद्रे रसेल जब कोलकाता के ईडन गार्डन्स में प्रेक्टिस के लिए आए तो फैंस के हुजूम ने उनका स्वागत किया। सभी उनसे सेल्फी देने की दरख्वास्त कर रहे थे। रसेल ने आदत अनुसार नेट्स पर खूब बड़े शॉट लगाए। केकेआर प्रबंधन की नजरें रसेल पर ही हैं, क्योंकि रिपोर्ट के अनुसार उनके कप्तान श्रेयस अय्यर चोट के कारण पहले से ही सीजन से बाहर हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स के सामने कप्तानी को लेकर बड़ी समस्या खड़ी हो गई है। उनके पास ज्यादा विकल्प नहीं है। शीर्ष स्तर पर नेतृत्व का अनुभव रखने वाले केवल टिम साउदी और शाकिब अल हसन हैं। भारतीय खिलाड़ियों में नितीश राणा और वेंकटेश अय्यर हैं, लेकिन आईपीएल टीम का नेतृत्व करने की उनकी अनुभवहीनता उनके खिलाफ जा सकती है। इसी बीच आंद्रे रसेल पर नजर जाती है। रसेल ने सीपीएल में जमैका तलवाहों का नेतृत्व किया है और इसके अलावा वह केकेआर के सबसे बड़े मैचविनर्स और शोमैन में से भी एक हैं। रसेल ने कोलकाता में संवाददाताओं से कहा कि मैं आप सभी को खुश करने की कोशिश करूंगा। मैं इस बात से संतुष्ट हूं कि गेंद बल्ले से कैसे निकल रही है। उम्मीद है कि मैं इस आईपीएल के दौरान भी इसे दोहरा सकूं। बता दें कि पिछले साल केकेआर के खराब सीजन में रसेल एक बार फिर 174.48 की स्ट्राइक रेट से 335 रन बनाकर शीर्ष प्रदर्शन करने वालों में से एक थे। उन्होंने 32 छक्के लगाए थे। उन्होंने 17 विकेट भी लिए थे,

क्योंकि आईपीएल तीन साल बाद होम एंड अवे फॉर्मेट में लौट रहा है, तो ऐसे में रसेल ने कहा कि केकेआर के प्रशंसक उनके जैसे 'लीजेंड' को एक्शन में दोबारा देखने के लिए बड़ी संख्या में मैदान पर आएं। रसेल ने कहा कि क्या आप मुझे बल्लेबाजी करते हुए नहीं देखोगे? मैं लीजेंड हूं। मैं चाहता हूं कि आप सभी मेरे लिए तालियां बजाएं। बता दें कि केकेआर अपने अभियान की शुरुआत 1 अप्रैल को मोहाली में पंजाब किंग्स के खिलाफ करेगी।

राजस्थान रॉयल्स के पास तगड़ी बैटिंग लाइनअप

-इस बार ताकत ही ना बन जाए राजस्थान की कमजोरी

नई दिल्ली । राजस्थान रॉयल्स के पास तगड़ी बैटिंग लाइनअप है। आईपीएल 2023 में धाकड़ बल्लेबाजों की मौजूदगी के बावजूद राजस्थान को टूर्नामेंट में सॉलिड फिनिशर की कमी खल सकती है। विस्फोटक ओपनर जोस बटलर, यशस्वी जायसवाल के बाद कप्तान संजू सैमसन, शिमरॉन हेटमायर और देवदत्त पडिक्कल किसी भी बॉलिंग अटैक की धज्जियां उड़ा सकते हैं। हालांकि, राजस्थान को कई बार संकट से निकालने वाले राहुल तेवतिया की जगह अब तक नहीं भर पाई है। रियान पराग कई सीजन बीतने के बाद भी बेहतर फिनिशर साबित नहीं हो पाए हैं। राजस्थान रॉयल्स में शामिल रहे विस्फोटक बैटर यूसुफ पठान के मुताबिक, टीम की सबसे कमजोर कड़ी उसका मिडिल ऑर्डर है। पिछले सीजन भी टीम को इसी का खामियाजा भुगतना पड़ा था। यूसुफ ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा, 2022 में राजस्थान रॉयल्स के टॉप ऑर्डर ने जबरदस्त बल्लेबाजी की, लेकिन इसके बाद आने वाले खिलाड़ियों से उन्हें वो सपोर्ट नहीं मिल पाया, जिसकी जरूरत थी। बैटिंग के साथ ही राजस्थान का स्पिन बॉलिंग डिपार्टमेंट भी खासा मजबूत है। रविचंद्रन अश्विन, युजवेंद्र चहल के अलावा ऑस्ट्रेलिया को तीसरे वनडे में जीत दिलाने वाले एडम जम्पा भी टीम में हैं। ट्रेंट बोल्ट के अलावा टीम में कोई और विकेट टेकिंग तेज गेंदबाज भी नहीं है। प्रसिद्ध कृष्णा के चोटिल होने की वजह से संदीप शर्मा को उनके रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम से जोड़ा गया है। बावजूद इसके संजू सैमसन को टूर्नामेंट में अनुभवी भारतीय तेज गेंदबाज की कमी खल सकती है।कुलदीप यादव भी राजस्थान रॉयल्स के खेमे में शामिल हैं। टीम के पास जेसन होल्डर के तौर पर एक ही अनुभवी ऑलराउंडर है। होल्डर के ना चलने की स्थिति में संजू सैमसन के पास विकल्प मौजूद नहीं होगा।

खेतों में दवा के छिडकाव के लिए ड्रोन के उपयोग की पहल गुजरात ने की है: मुख्यमंत्री

अहमदाबाद।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शनिवार को अहमदाबाद में नेशनल कांफ्रेंस ऑन ड्रोन टेक्नोलॉजी का शुभारंभ करवाते हुए स्पष्ट रूप से कहा कि गुजरात ने हमेशा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिशानिर्देशन में हर क्षेत्र में टॉप रहने और आगे बढ़ने के लिए सफल प्रयास किया है। इस संबंध में, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने विज्ञान तथा टेक्नोलॉजी का लाभ अंतिम छोर पर रहने वाले लोगों से लेकर सामान्य नागरिकों को उपलब्ध कराने का आह्वान किया है तथा गुजरात इस आह्वान को अपनाने के लिए तैयार है। इतना ही नहीं राज्य सरकार युवाओं को समयानुकूल टेक्नोलॉजी के माध्यम से रोज़गार देने, स्किलिंग के नए मौके देने वाले पाठ्यक्रम तथा व्यवसायी शिक्षा को भी प्रोत्साहन देने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य सरकार के श्रम कौशल विकास तथा रोज़गार विभाग की कौशल्या ङ्क द स्किल यूनिवर्सिटी के उपक्रम में आयोजित नेशनल कांफ्रेंस ऑन ड्रोन टेक्नोलॉजी के शुभारंभ सहित ड्रोन मंत्रा लेब के उद्घाटन के अवसर पर संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि ड्रोन टेक्नोलॉजी एक विकासशील क्षेत्र है जिसमें प्रचुर मात्रा में संभावनाएं हैं। राज्य सरकार ने इसे प्रोत्साहन देने के लिए कौशल्या यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ ड्रोन के माध्यम से विभिन्न प्रशिक्षण शुरू करने की भी योजना बनाई है। पटेल ने आगे कहा कि राज्य की 50 आई.टी.आई में ड्रोन पायलट ट्रेनिंग - ड्रोन प्रशिक्षण उपलब्ध करवाने की व्यव-स्था की गयी है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दिशानिर्देशन में खेतों से लेकर खाली मैदानों तक तथा जरूरत के समय से लेकर आपातकालीन वक्त के दौरान लाइफ सेविंग तक ड्रोन टेक्नोलॉजी की पहुँच में विस्तार हुआ है। उन्होंने कहा कि एक समय में विश्व का कोई भी तकनीक या नया अनुसंधान काफी लंबे समय के बाद भारत आता था, अब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश में विज्ञान टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में ऐसी सजगता बनाई है की तुरंत ही वो अघतन टेक्नोलॉजी हमारे पास विदेशों के साथ ही आ जाती है। भूपेंद्र पटेल ने कोरोना काल में भारत द्वारा विकसित स्वदेशी वैक्सीन का इस संदर्भ में विशेष उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ड्रोन दूर-दराज के क्षेत्रों में सेवाओं की डोर स्टेप डिलीवरी का माध्यम बना है।पर्यटन, आपदा, मीडिया सहित निगरानी तथा अनुसंधान के क्षेत्र में भी ड्रोन टेक्नोलॉजी के उपयोग के लिए कई अवसर हैं। खेतों में दवा के छिडकाव के लिए ड्रोन के उपयोग की पहल गुजरात ने की है।

भारत सरकार के कौशल विकास तथा उद्यमिता मंत्रालय के सचिव अतुलकुमार तिवारी ने इस अवसर पर कहा कि केंद्र सरकार 2030 तक भारत को ग्लोबल ड्रोन हब बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। तिवारी ने कहा कि गुजरात हमेशा एक प्रमुख तथा अग्रणी राज्य रहा है। कौशल्या -द स्किल यूनिवर्सिटी से ड्रोन क्षेत्र में एक अभूतपूर्व काम होगा। जिससे अन्य राज्यों में, हम ड्रोन क्षेत्र विकसित करने तथा ड्रोन पॉलिसी लाने में भी मदद करेंगे। उन्होंने इस नेशनल कांफ्रेंस ऑन ड्रोन टेक्नोलॉजी में सहभागी होने का निमंत्रण प्रदान करने के लिए गुजरात सरकार का आभार व्यक्त किया। इस कांफ्रेंस के माध्यम से, हमें कई सुझाव भी मिलेंगे, जिन पर हम आगामी समय में काम कर सकते हैं।

इस अवसर पर श्रम, कौशल विकास तथा रोजगार विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. अंजू शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विज़न भारत को ड्रोन हब बनाना है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में, गुजरात को समग्र देश में ड्रोन टेक्नोलॉजी का कैपिटल बनाने के लिए हम काम कर रहे है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि ड्रोन क्षेत्र में मुख्यमंत्री का निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग मिलता रहा है। कौशल्या-स्किल यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की इस नेशनल कांफ्रेंस में ड्रोन क्षेत्र में काम करने वाले 50 से अधिक उद्योग, केंद्र सरकार के नागरिक उड्डयन मंत्रालय तथा कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के अधिकारी, राज्य सरकार के ड्रोन क्षेत्र से संबंधित विभागों के अधिकारी, अनुसंधानकर्ता, ड्रोन स्टार्टअप सहित लगभग कुल 400 महानुभावों भाग लेंगे। उल्लेखनीय है कि देश में विभिन्न क्षेत्रों में ड्रोन के विभिन्न उपयोगों की आवश्यकता को देखते हुए प्रधानमंत्री द्वारा देश को ड्रोन हब बनाने के आह्वान को अपनाते हुए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के करकमलों से कांफ्रेंस के साथ ही कौशल्या - द स्किल यूनिवर्सिटी द्वारा ड्रोन मंत्रा लैब का उद्घाटन किया गया। जिसमें ड्रोन निर्माण के साथ-साथ ड्रोन प्रशिक्षण मिले ऐसी सुविधा भी बनाई गई है। ड्रोन निर्माण प्रशिक्षण के साथ-साथ ड्रोन भी तैयार किए जाएंगे, जिसके माध्यम से राज्य की कई तालुकाओं में ड्रोन प्रशिक्षण दिया जा सकेगा तथा ड्रोन के नए प्रयोग और शोधों को भी प्रोत्साहन दिया जाएगा। इसके अलावा युवाओं को ड्रोन निर्माण के साथ-साथ ड्रोन डाटा एनालिसिस और प्रोग्रामिंग पाठ्यक्रम पढने का भी मौका मिलेगा। राष्ट्रीय ड्रोन हैकथॉन में देश के विभिन्न आईआईटी, एनआईटी, प्रमुख इंजीनियरिंग कॉलेज, ड्रोन के क्षेत्र में काम करने वाले उद्योग और स्टार्टअप भाग लेंगे तथा इस हैकथॉन के लिए नामित क्षेत्रों के लिए अपने समाधान/प्रोटोटाइप प्रस्तुत करेंगे।

भरी दुपहरी ऑटो चालक वृद्ध ने इस्कॉन ब्रिज से कूदकर आत्महत्या कर ली

अहमदाबाद। शहर के इस्कॉन ब्रिज से दोपहर के वक्त एक वृद्ध ऑटो चालक ने मौत की छलांग लगा दी। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और जाम भी लग गया। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू की। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के वेजलपुर क्षेत्र के औड़ा के आवास में रहनेवाले मांगीलाल नामक वृद्ध ऑटो रिक्शा चलाते हैं। रोज की भांति आज भी मांगीलाल ऑटो रिक्शा लेकर घर से निकले थे। दोपहर के वक्त मांगीलाल ऑटो रिक्शा लेकर शहर के इस्कॉन ब्रिज पहुंचे। जहां रिक्शा पार्क करने के बाद मांगीलाल ने ब्रिज से छलांग लगा दी। ब्रिज से नीचे गिरे मांगीलाल की मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और ट्रैफिक भी जाम हो गया। खबर मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और जरूरी कार्यवाही कर मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वृद्ध के आत्महत्या करने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चला है, पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस की प्राथमिक जांच में पता चला है कि वृद्ध लंबे समय से फेफड़ों की बीमारी से पीडति थे और संभवतः इसी वजह से उन्होंने आत्महत्या की।

महावीर स्वामी के अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य तथा अपरिग्रह धर्म का वास्तविक स्वरुप है, सार्वभौम है : राज्यपाल

अहमदाबाद।

राज्यपाल आचार्य देवव्रत एवं मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल द्वारा सकारात्मक और रचनात्मक पत्रकारिता और मानवीय मूल्यों की गरिमा की प्रतिष्ठा के प्रयासों के लिए मीडियाकर्मियों क्रमशः दीक्षित सोनी को वर्ष 2021 के लिए तथा मनीष बरडिया को वर्ष 2022 के लिए आचार्य तुलसी सम्मान प्रदान किया गया। आचार्य श्री महाश्रमणा जी की पावन उपस्थिति में आचार्य तुलसी महाप्रज्ञ विचार मंच द्वारा आयोजित इस सम्मान समारोह में राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह एवं वरिष्ठ पत्रकार विश्वनाथ सचदेव भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर राज्यपाल आचार्य देवव्रत जी ने कहा कि जीवन दर्शन के लिए भगवान महावीर स्वामी द्वारा प्रतिपादित अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह सार्वभौम हैं। ये शब्द विश्व के किसी भी देश में, किसी भी धर्म में, किसी भी जाति में, किसी भी काल में समान रूप से स्वीकृत हैं। उन्होंने इस उपदेश को धर्म का वास्तविक रूप बताते हुए कहा कि ये महाव्रत पूर्ण सत्य और सिद्धांत हैं। जो मानव जीवन में जो टिक जाये वह धर्म है और जो टिक नहीं सकता वह अधर्म है। अगर इन सिद्धांतों को पूरी तरह से अपना लिया जाए तो धरती पर स्वर्ग बन जाएगा। आचार्य तुलसी, आचार्य महाप्रज्ञ और आचार्य महाश्रमणाजी जैसे संतों का सानिध्य प्रत्येक मनुष्य के लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने मंगलकामना देते हुए कहा कि उनकी कलम सदैव राष्ट्र के उत्थान और मानवता के कल्याण में अपना योगदान देती रहे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि हमारा भारत देश सदियों से धर्म, अध्यात्म तथा संत-ऋषि परंपरा की विरासत है और प्रधानमंत्री ने भी इस विरासत पर गर्व करने का आह्वान किया है। उन्होंने आगे कहा कि जैन धर्म ने विश्व को जीवदया, अहिंसा परमो धर्म, सेवाभाव के महान सिद्धांत भी दिए हैं। जैन धर्म जीने के साथ-साथ दूसरों के लिए जीना भी सिखाता है। जैन धर्म के अहिंसा, करुणा और दया के सिद्धांत सदियों बाद भी आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं इस प्रकार जैन धर्म सदियों से अहिंसा, करुणा तथा जीवदया का संदेश फैलाता आ रहा है। मुख्यमंत्री ने आचार्य तुलसी महाप्रज्ञ विचारमंच की सराहना करते हुए कहा कि ये आत्मा की भूख जो हीरे-मोती से नहीं बुझ सके उसे संत अपने शीतल सानिध्य से बुझाते है। ऐसे ही परम पूज्य संत श्री आचार्य तुलसी के नाम और सिद्धांतों से संचालित आचार्य तुलसी महाप्रज्ञ विचारमंच उत्कृष्ट कार्य कर रहा है।

अहमदाबाद के शाहीबाग में आचार्य महाश्रमणा प्रवचन स्थल पर आयोजित इस समारोह में आचार्यश्री महाश्रमणाजी ने कहा कि धर्म और शास्त्रों ने मनुष्य को दुर्लभ बनाया है। यह आत्मा से परमात्मा भी बन सकती है तथा अधोगति की ओर धकेल भी सकती है। यह भारतीयों का सौभाग्य है कि संत संपदा से धर्मपालन कर वे आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त कर सकते हैं। आध्यात्मिकता से ही सहज, आंतरिक तथा शाश्वत सुख की प्राप्ति होती है। जबकि बाहरी साधन सुविधा दे सकते हैं पर आध्यात्मिकता ही शाश्वत सुख का एकमात्र समाधान है। आचार्य श्री महाश्रमणाजी ने सम्मान प्राप्त करने वाले दोनों मीडियाकर्मियों को बधाई देते हुए कहा कि प्रामाणिकता, नैतिकता, निष्पक्षता, निर्भयता से पत्रकारिता में सफलता मिलती है। आचार्य श्री महाश्रमणाजी ने गुजरात राज्य को विकास के साथ-साथ आध्यात्मिक रूप से भी विकसित होने का आशीर्वाद देते हुए कहा कि धार्मिकता के माध्यम से आंतरिक शांति बनी रहे, राज्य में नैतिकता की स्थापना कायम रहे तथा अहिंसा संस्थापित रहे।

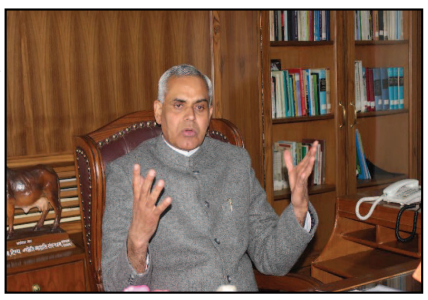

भाजपा सरकार को अहमदाबाद का नाम बदलने में कोई रुचि नहीं, नहीं होगा कर्णावती नाम

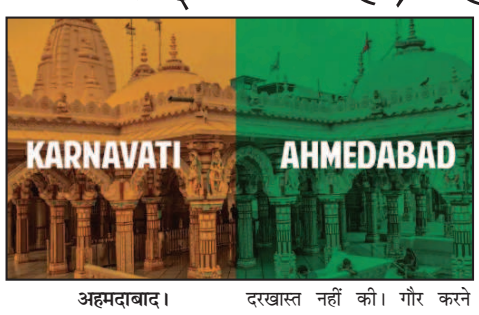

अहमदाबाद।

अहमदाबाद शहर का नाम बदलकर कर्णावती करने का वादा करने वाली भाजपा सरकार ने गुजरात विधानसभा में स्वीकार किया है कि उसने इस संदर्भ में कोई दरखास्त नहीं की। विधानसभा में कांग्रेस के आंकलाव से विधायक अमित चावड़ा के सवाल पर भाजपा सरकार ने कहा कि अहमदाबाद का नाम बदलने के लिए उसने दरखास्त नहीं की। गौर करने वाली बात है भाजपा के अलावा राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ समेत हिन्दू संगठन वर्षों से अहमदाबाद का शहर का नाम बदलकर कर्णावती करने की मांग कर रहे हैं। सत्ता में होने के बावजूद भाजपा सरकार को अहमदाबाद का नाम बदलने में तकलीफ क्यों है। अहमदाबाद का नाम बदलने की मांग करने वालों की दलील है कि वर्ष 1411 में मुस्लिम शासक अहमद शाह ने जहां कब्जा किया था उसका नाम अहमदाबाद कर दिया था। जिसे गुजराती में अमदावाद कहा जाता है। जबकि अमदावाद का असली नाम कर्णावती है। 11वीं शताब्दी में गुजरात के सोलंकी राजा कर्णदेव ने असावल भील नामक राजा को इस प्रदेश को जीता था और इसका नाम कर्णावती कर दिया था। इसलिए अहमदाबाद का नाम कर्णावती ही होनी चाहिए। शहर का नाम कर्णावती करने की मांग आज से नहीं बल्कि कई दशकों से चली आ रही है। भाजपा समेत हिन्दू संगठनों ने अपनी शाखा पर अहमदाबाद के बजाए कर्णावती नाम लिख रखा है। भाजपा समेत हिन्दू संगठनों की प्रेसनोट में भी अहमदाबाद के बजाए कर्णावती शहर का उल्लेख है। शहर में कर्णावती नामक एक क्लब मशहूर है। कर्णावती दाबेली नामक दुकान भी काफी मशहूर है। इसके अलावा पश्चिम रेलवे कर्णावती एक्सप्रेस ट्रेन का संचालन भी करती है। यह ट्रेन अहमदाबाद से मुंबई के बीच चलती है। इतना ही नहीं शहर में एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी का नाम भी कर्णावती है। कई दशकों से अहमदाबाद नाम बदलने की मांग करने वाली भाजपा आज सत्ता में इसके बावजूद उसकी कोई रुचि नहीं लगती। गुजरात विधानसभा में कांग्रेस विधायक ने जब इस संदर्भ में भाजपा सरकार के सवाल किया। जिसके जवाब में सरकार ने बताया कि अहमदाबाद का नाम बदलकर कर्णावती करने के बारे में कोई दरखास्त नहीं की गई।

विवाहित भतीजी से दुष्कर्म करनेवाले पारिवारिक चाचा को ताउम्र कैद की सजा

राजकोट।

राजकोट में कोर्ट ने विवाहित भतीजी पर कालभैरव को कोप बताकर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले पारिवारिक चाचा ताउम्र कैद की सजा सुनाई है। पारिवारिक चाचा ने भतीजी से कहा था कि उसके पति का व्यवसाय इसलिए नहीं बढ़ रहा क्योंकि कालभैरव नाराज हैं। पीडति विवाहिता की वर्ष 2011 में शादी हुई थी। काफी मेहनत के बावजूद विवाहिता के पति का व्यवसाय आगे नहीं बढ़ रहा था। इसका पता जब विवाहिता के पारिवारिक चाचा योगेश उर्फ भीखु कुंबावत को हुई तो उसने मौके का फायदा उठा। योगेश कुंबावत ने विवाहिता से कहा कि उसके परिवार पर कालभैरव का प्रकोप है। इस प्रकोप खत्म करने के लिए कालभैरव के साथ शारीरिक संबंध बनाने होंगे। विवाहिता ने जब पूछा कि कालभैरव कौन हैं? तब योगेश कुंबावत ने कहा कि वह कालभैरव से नहीं मिल सकती। लेकिन कालभैरव की ओर से वह उसके साथ शारीरिक संबंध बनाएगा। विवाहिता को भरोसा दिलाने के लिए योगेश ने अपनी पत्नी की निर्वस्त्र तस्वीरें भी उसे बताई और कहा कि वह भी कालभैरव के साथ शारीरिक संबंध बनाती है। जिसके बाद योगेश ने विवाहित भतीजी के साथ दुष्कर्म किया। लेकिन पति के व्यवसाय में कोई बदलाव नहीं होने पर विवाहिता ने खुद को ठगा महसूस किया और अपने पति को घटना से अवगत करा दिया। जिसके बाद विवाहिता ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवा दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया और अदालत के समक्ष चार्जशीट दाखिल कर दी। सरकारी वकील को मजबूत दलील, सबूत और गवाहों के बयानों को ध्यान में रखते हुए कोर्ट ने आरोपी योगेश उर्फ भीखु कंभावत जीवन की अंतिम सांस तक कैद की सजा सुनाई है। साथ ही रु. 5000 का जुर्माना भी लगाया है।

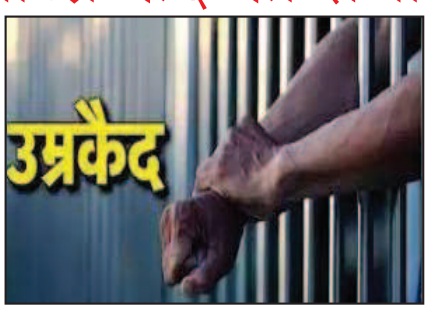

परमात्मा प्रभु महावीर स्वामी भगवान के जन्मदिन के अवसर पर अनाज किट का वितरण किया गया

सूरत भूमि, सूरत।

गोपीपुरा महावीर अन्नक्षेत्र में जैन के 24वें तीर्थंकर परमात्मा प्रभु महावीर स्वामी भगवान के जन्म कल्याणक (जन्मदिन) के अवसर पर सूरत शहर में रहने वाले 400 से अधिक निराश्रित परिवारों और सूरत शहर में शिखरबंदी जिनालयों के 300 से अधिक पुजारियों को अनाज किट का वितरण किया गया। श्री संस्था हर महीने 800 जरूरतमंद परिवारों और 300 से अधिक पुजारियों को अनाज किट वितरित करती है। इस किट में गेहूं, चावल, बाजरी, तुवर दाल, मूंग, चीनी की चाय, गुड़, हल्दी, नमक, मिर्च, तेल आदि शामिल हैं।

संपूर्ण कार्य श्री सहस्त्रफणा पार्श्वनाथ पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट (श्री महावीर नगरी) सूरत द्वारा आयोजित किया गया था। जिसमें निश्रा दाता: युगप्रधान आचार्यसम पन्यास श्री चंद्रशेखरविजयजी महाराज के शिष्यरत्न आचार्य श्री जिनसुंदर सूरीश्वरजी मारा साहेब, आचार्य श्री हंस कीर्ति सूरीश्वरजी मारा साहेब, आचार्य श्री भव्य कीर्ति सूरीश्वरजी मारा साहेब सहित अन्य गुरु भगवंत उपस्थित थे।

चचेरे भाई-बहन के प्रेम संबंधों का करुण अंजाम, ट्रेन के सामने लगाई मौत की छलांग

भावनगर। जिले सिहोर गांव के निकट नाबालिग युगल ने ट्रेन के सामने मौत की छलांग दी। इस घटना में दोनों की मौत हो गई। नाबालिग युगल चचेरे भाई-बहन थे और दोनों शादी नहीं होने के डर से घर से गत 19 मार्च को भाग गए थे। सिहोर पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक भावनगर जिले की सिहोर तहसील के नवागाम निवासी 17 वर्षीय चेतन मेहूलभाई मकवाणा और 14 वर्षीय प्रियांशी सतीशभाई मकवाणा चचेरे भाई-बहन थे। नाबालिग भाई-बहन के बीच प्रेम संबंध था और इसकी भनक परिवार को नहीं थी। गत 19 मार्च को चेतन मकवाणा सारंगपुर दर्शन करने के बहाने अपने घर से निकला था। जबकि प्रियांशी करदेज निवासी अपने मामा के घर गई थी। जहां से गाव के मंदिर में दर्शन के बहाने वह निकली और चेतन के पास पहुंच गई। चेतन और प्रियांशी जानते थे कि उनकी शादी के लिए परिवार कभी तैयार नहीं होगा। जिससे दोनों ने आत्महत्या करने का फैसला कर लिया और घर से निकल पड़े तथा सिहोर के खाखरिया पाटिया के निकट रेलवे ट्रैक पर पहुंच गए। जहां ओखा से भावनगर आ रही ट्रेन के सामने नाबालिग युगल ने छलांग लगा दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू की है।

कक्षा 12 में संस्कृत विषय की परीक्षा 29 मार्च को फिर ले जाएगी

अहमदाबाद।

गुजरात शिक्षा बोर्ड ने कक्षा 12 में संस्कृत विषय की परीक्षा 29 मार्च को दोबारा लेने का फैसला किया है। इस परीक्षा में 580 जितने विद्यार्थी शामिल हुए थे। बता दें कि 20 मार्च को संस्कृत की परीक्षा ली गई थी, लेकिन उसमें 90 प्रतिशत प्रश्न सिलेबस के बाहर के होने की वजह से विद्यार्थियों को जवाब देना काफी मुश्किल हो गया था। इस संदर्भ में अभिभावकों की शिकायत के बाद शिक्षा बोर्ड ने प्रश्न पत्रों की जांच की और सिलेबस से बाहर के प्रश्नों का खुलासा होने के बाद दोबारा परीक्षा लेने का फैसला किया गया है। जिसके मुताबिक आगामी 29 मार्च को कक्षा 12 में संस्कृत विषय की दोबारा परीक्षा ली जाएगी। यह परीक्षा 29 मार्च को दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे बोर्ड के समय ही ली जाएगी।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)